E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 186 | प्रयागराज, शुक्रवार 13 नवंबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

फोन कॉल पर ट्रम्प और नेतन्याहू एक दूसरे पर चिल्लाए,इजराइली पीएम ईरान पर दोबारा हमले करने के लिए कह रहे

तेल अवीव/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच ईरान जंग को लेकर तनाव बढ़ गया है। इजराइली मीडिया यनेट की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच फोन पर जोरदार बहस हुई। इस दौरान दोनों एक-दूसरे पर चिल्लाने लगे। ईरान पर दोबारा हमले शुरू करने के लिए नेतन्याहू अमेरिका पर दबाव बना रहे हैं, जबकि ट्रम्प इसके लिए तैयार नहीं हैं। 12 नवंबर की टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी है। एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी ने दोनों नेताओं के बीच वीकेंड पर फोन पर बातचीत होने की पुष्टि की है। हालांकि इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बहस के दावे को खारिज किया है। कार्यालय ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत में कोई टकराव नहीं हुआ और ये खबरें फर्जी हैं। नेतन्याहू लगातार अमेरिका से



ईरान पर फिर हमले शुरू करने और वहां की सरकार बदलने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उससे पैदा होने वाले खतरे को खत्म करने के लिए वहां की मौजूदा सरकार को हटाना जरूरी है। मंगलवार को इजराइली संसद को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा था कि ईरान फिर से परमाणु खतरा पैदा करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहाः- 'इस अस्तित्व के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करने का एकमात्र तरीका अयातुल्ला सरकार को सत्ता से हटाना है। ट्रम्प बोले- ईरान पर फिर हमला करने की वजह नहीं' ट्रम्प फिलहाल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के पक्ष में नहीं हैं। वे आर्थिक प्रतिबंधों और दबाव के जरिए ईरान से बातचीत में अपनी शर्तें मनवाना चाहते हैं। रविवार को सीबीएस के कार्यक्रम '60 मिनट्स' में ट्रम्प से पूछा गया कि क्या अमेरिका ईरान के खिलाफ फिर से युद्ध शुरू करेगा? इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने की कोई वजह नहीं दिखती। फाइनेंशियल टाइम्स ने भी हाल ही में अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि नेतन्याहू ट्रम्प को रोज फोन कर रहे हैं, ताकि उन्हें ईरान के खिलाफ फिर से पूरी ताकत से जंग शुरू करने के लिए मना सकें। जून में भी दोनों नेताओं के बीच बहस हुई थीः- ईरान जंग को लेकर ट्रम्प और नेतन्याहू के बीच पहले भी मतभेद सामने आ चुके हैं। जून 2026 में दोनों के बीच करीब 15 मिनट फोन पर बातचीत हुई थी। उस दौरान ट्रम्प लेबनान में इजराइल के हमले बढ़ाने से नाराज थे। उन्हें डर था कि इससे ईरान के साथ अमेरिका की शांति वार्ता टूट सकती है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट एक्सियोस के मुताबिक ट्रम्प ने गुस्से में नेतन्याहू को 'पागल' कहा था। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर वे मदद नहीं करते तो नेतन्याहू जेल में होते।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

आइजनकोट का नेतन्याहू को पीएम बनने से रोकने का प्लान,संसद में पेश किए बिल

भ्रष्टाचार के आरोपी प्रधानमंत्री नहीं बन सकेंगे

तेल अवीव। इजराइल में बेंजामिन नेतन्याहू को प्रधानमंत्री बनने से रोकने के लिए गादी आइजनकोट ने बड़ा कदम उठाया है। आइजनकोट ने साथियों के साथ मिलकर संसद में 8 बिल पेश किए हैं। इनमें से एक बिल के तहत भ्रष्टाचार के मामलों में मुकदमा झेल रहे नेता या सांसद प्रधानमंत्री नहीं बन सकेंगे। नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार के 3 मामले चल रहे हैं। अगर यह बिल पास होता है तो वे दोबारा पीएम नहीं बन पाएंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री के पद पर रहने का समय तय करने और नेतन्याहू सरकार के कुछ पुराने फैसले रद्द करने की भी तैयारी है। इजराइल में क्या-क्या बदलना चाहते हैं आइजनकोट? पीएम कितने साल रह सकेंगे, यह तय होगाः आइजनकोट का प्रस्ताव है कि कोई भी व्यक्ति तय समय से ज्यादा प्रधानमंत्री के पद पर न रह सके। इसके लिए पीएम के कार्यकाल की अधिकतम अवधि



तय की जाएगी। इससे नेतन्याहू जैसे नेता लंबे समय तक लगातार सत्ता में नहीं रह पाएंगे। नेतन्याहू इजराइल के इतिहास में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे हैं। हमास के हमले की जांच होगीः 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजराइल पर हमला किया था। गादी चाहते हैं कि एक स्वतंत्र आयोग इस बात की जांच करे कि हमले से पहले इजराइल की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां कहां चूक गई थीं। आयोग के सदस्यों को सुप्रीम कोर्ट चुनेगा। इस जांच में नेतन्याहू सरकार की जिम्मेदारी भी तय हो सकती है। कोर्ट की ताकत बढ़ेगीः नेतन्याहू सरकार ने ऐसे कानून बनाए थे, जिनसे अदालतों की ताकत कम हुई थी। आइजनकोट इन कानूनों को रद्द करना चाहते हैं। इससे अदालतें सरकार के फैसलों की ज्यादा जांच कर सकेंगी और गलत पाए जाने पर उन्हें रोक भी सकेंगी। संसद का स्पीकर बदला जाएगाः आइजनकोट का खेमा संसद के मौजूदा स्पीकर ओहाना को हटाकर उनकी जगह कहाना को लाना चाहता है। ओहाना नेतन्याहू के समर्थक हैं। स्पीकर बदलने से गादी आइजनकोट के खेमे को संसद में अपने बिल पास कराने में मदद मिल सकती है। अरब पार्टियों ने समर्थन के बदले शर्तें रखी हैं:-गादी आइजनकोट इजराइल के अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने उन्हें अगली सरकार बनाने के लिए चुना है। आइजनकोट के पास सरकार बनाने के लिए 6 हफ्ते का समय है। इस दौरान उन्हें संसद में बहुमत साबित करना होगा। सरकार बनाने के लिए 61 सासंदों का समर्थन चाहिए। आइजनकोट के गठबंधन को 6 पार्टियों के 67 सांसदों ने समर्थन दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पास 46 सांसदों का समर्थन है। जो बहुमत के आंकड़े से बहुत दूर है। नेतन्याहू को सत्ता से दूर रखने वेऽ लिए अरब पार्टियों ने आइजनकोट का समर्थन करने की बात कही है। हालांकि इसके बदले इन पार्टियों ने कुछ मांगें रखी हैं। सूत्रों के मुताबिक वे आवास और अपराध से जुड़े कानूनों में बदलाव चाहती हैं।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

पाक में पुलिस टीम पर हमला-हमलावरों ने पहाड़ियों से गोलियां बरसाईं,11 की मौत

अवैध सोने की खदान पर छापेमारी करने गए थे

इस्लामाबाद। पाक के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को आतंकियों ने पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला कर दिया। इसमें एक डीएसपी और एक सब-इंस्पेक्टर समेत 11 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। पुलिस टीम अवैध सोने के खनन के खिलाफ छापेमारी करने जा रही थी। इसी दौरान कोहाट और करक के बीच दरबोकाच इलाके में हमलावरों ने उसे निशाना बनाया। हमलावर आसपास की पहाड़ियों पर छिपे थे। घटना कोहाट जिले के गंबत इलाके की है। हमले में पुलिस की 5 गाड़ियों को आग लगा दी गई। अचानक हुई गोलीबारी से पुलिस टीम को संभलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद पुलिस और हमलावरों के बीच भारी गोलीबारी हुई। पुलिस ने टीटीपी पर हमले का आरोप लगायाः-हमले के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल और सुरक्षा जवान भेजे गए। पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। घायलों के इलाज के लिए जिला मुख्यालय टीचिंग अस्पताल में इमरजेंसी घोषित की गई। पुलिस ने हमले के पीछे प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकियों का हाथ बताया है। टीटीपी को पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है। यह पाकिस्तान में सक्रिय एक आतंकी संगठन है, जो पाकिस्तानी सरकार और सेना



के खिलाफ लड़ता है। टीटीपी पाकिस्तान में इस्लामी कानून यानी शरिया लागू करना चाहता है। खुदाई मशीनें खड़ी करने पर रोक लगी थीः- कोहाट में अवैध तरीके से सोना निकालने पर रोक लगाने के लिए प्रशासन पहले से कार्रवाई कर रहा था। हमले से एक दिन पहले ही डिप्टी कमिश्नर ने खनन वाले इलाकों में 60 दिनों तक खुदाई की मशीनें खड़ी करने पर रोक लगा दी थी। प्रशासन का कहना था कि कुछ लोगों ने खनन वाले इलाकों के पास अपने घरों में ये मशीनें खड़ी कर रखी थीं। इनका इस्तेमाल चोरी-छिपे सोना निकालने में किया जा सकता था। कई बार कार्रवाई के बाद भी लोग इन मशीनों का इस्तेमाल अवैध खनन के लिए कर रहे थे। इसके अलावा, प्रशासन ने खुले डिब्बों और बोतलों में पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन बेचने और खरीदने पर भी रोक लगा दी थी। अधिकारियों के मुताबिक, अवैध तरीके से सोना निकालने के काम में इनका इस्तेमाल किया जा रहा था। खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस पर बढ़े आतंकी हमलेः- पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमलों का सिलसिला जारी है। पिछले एक महीने में यहां कई बार पुलिस को निशाना बनाया गया है। इन हमलों में कई पुलिसकर्मियों की जान जा चुकी है, जबकि कई घायल हुए हैं। 3 नवंबरः मोहम्मद जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी की। इसमें 2 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हुआ। 29 अक्टूबरः बाजौर जिले में आतंकियों ने पुलिस चौकी पर हमला किया। इसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई।20 अक्टूबरः उत्तरी वजीरिस्तान में मीरानशाह बाईपास रोड के पास गोलीबारी में एक अतिरिक्त थाना प्रभारी की मौत हो गई। 7 अक्टूबरः कोहाट में आतंकियों ने पुलिस चेकपोस्ट को निशाना बनाया। इस हमले में 7 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पाकिस्तान और टीटीपी में लड़ाई क्यों? 2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे टीटीपी नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था।

पाक का अमेरिकी विमान को एंट्री देने से इनकार,इससे 9 ईरानी नागरिक लाए जा रहे थे

वॉशिंगटन डीसी। पाकिस्तान ने मंगलवार को अमेरिका के एक डिपोर्टेशन विमान को अपने यहां उतरने की इजाजत नहीं दी। इस



विमान में कम से कम 9 ईरानी नागरिक सवार थे, जिन्हें पाकिस्तान के रास्ते ईरान भेजा जाना था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, पाकिस्तान वेऽ अचानक इनकार के बाद विमान को बीच रास्ते से ही अमेरिका लौटना पड़ा। मंगलवार दोपहर तक सभी ईरानी नागरिकों को विमान से उतारकर एरिजोना के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में वापस भेज दिया गया। एक अमेरिकी अधिकारी और ईरानी बंदी के एक रिश्तेदार ने इसकी पुष्टि की। रिश्तेदार को यह जानकारी ईरान वेऽ एक अधिकारी से मिली थी। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स फर्स्ट के मुताबिक, अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) का एक छोटा निजी विमान मंगलवार सुबह करीब 5 बजे एरिजोना के मेसा शहर से रवाना हुआ था। इसमें 17 लोगों के बैठने की जगह थी। उड़ान भरने के करीब 30 मिनट बाद ही विमान वापस लौट आया और मेसा में उतर गया। इसवेऽ बाद इसे उसी आईसीई केंद्र के पास खड़ा कर दिया गया, जहां ईरानी नागरिकों को हिरासत में रखा गया था। संगठन के मुताबिक, उसने पिछले एक साल में आईसीई के सैकड़ों विमानों की उड़ानों पर नजर रखी है। इनमें से बहुत कम विमान ऐसे थे, जो उड़ान भरने के बाद वापस लौटे। पहले भी 8 ईरानियों की उड़ान बिना वजह रद्द हुई थीः-ईरानी अमेरिकन लीगल डिफेंस फंड की कार्यकारी निदेशक यास्मीन चुबिन के मुताबिक, रविवार को भी एरिजोना में हिरासत में रखे गए कम से कम 8 ईरानी नागरिकों को विमान में बैठाया गया था। हालांकि, बाद में बिना कोई वजह बताए उड़ान रद्द कर दी गई। संगठन की ओर से अदालत में दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक, ईरानी बंदियों को ईरान सरकार के एक अधिकारी ने बताया था कि उन्हें पाकिस्तान ले जाया जाएगा। वहां से आगे उन्हें ईरान भेजने की व्यवस्था थी। पाकिस्तान के रास्ते अफगान और ईरानी नागरिकों को भेजने की तैयारीः- ट्रम्प प्रशासन इस महीने अफगानिस्तान और ईरान के नागरिकों को उनके देश वापस भेजने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए कम से कम दो बार विमान भेजे जा सकते हैं। इन लोगों को सीधे उनके देश नहीं भेजा जा सकता, इसलिए पाकिस्तान के रास्ते भेजने की योजना है। इस व्यवस्था को लेकर इमिग्रेशन अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों और वकीलों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान ऐसे लोगों को उन देशों तक पहुंचाने में मदद कर रहा है, जहां लौटने पर उन्हें उत्पीड़न का सामना करना पड़ सकता है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

सऊदी में बिना शादी किये मां बनने पर 100 कोड़े की सजा,साल भर से बेटे के साथ देश में फंसी, घर लौटने की कोशिश भी नाकाम

रियाद। सऊदी अरब में बिना शादी बच्चा पैदा करने पर 40 साल की केन्याई महिला एस्तेर वांजा मुथोनी को 100 कोड़े मारने की सजा सुनाई गई है। वह पांच बच्चों की मां हैं। उन्होंने अगस्त 2025



में सऊदी अरब में एक बेटे को जन्म दिया था। इसवेऽ बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने पुलिस को इसकी जानकारी दे दी। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और बाद में उनके खिलाफ केस चलाया। रियाद की एक अदालत ने अक्टूबर में उन्हें शादी के बाहर संबंध बनाने का दोषी ठहराया। मुथोनी एक साल से अपने छोटे बेटे अबूडी के साथ केन्या लौटने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन कानूनी कार्रवाई के चलते ऐसा नहीं कर पाईं। अब अदालत ने उन्हें 100 कोड़े मारने के साथ एक साल तक देश से बाहर रहने की सजा भी सुनाई है। अभी तक कोड़े मारने की सजा की तारीख तय होने की जानकारी सामने नहीं आई है। मिस्र के व्यक्ति से प्रेम हुआ, वह देश छोड़कर चला गयाः-मुथोनी सऊदी अरब में महारा ह्यूमन रिसोर्सेज नाम की कंपनी के जरिए घरेलू सहायिका का काम कर रही थीं। इसी दौरान उनका मिस्र के एक व्यक्ति महमूद के साथ प्रेम हुआ। इसी रिश्ते से वह गर्भवती हुईं। बाद में महमूद सऊदी अरब छोड़कर चला गया। अगस्त 2025 में मुथोनी ने कंपनी के स्टाफ आवास में बेटे को जन्म दिया। उनकी सुपरवाइजर उन्हें अस्पताल ले गईं, जहां कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दे दी। पूछताछ में मुथोनी ने बताया कि बच्चे का पिता देश छोड़ चुका है। रिहा होने के बाद उन्हें कंपनी के आवास में वापस रहने की जगह नहीं मिली। एक शेल्टर होम ने भी उन्हें रखने से मना कर दिया। केन्या के दूतावास से भी मदद नहीं मिली। मजबूर होकर वह रियाद के एक पेट्रोल पंप पर रहने लगीं। वहां कई दूसरी प्रवासी महिलाएं भी अपने बच्चों के साथ अपने देश लौटने का इंतजार कर रही थीं। बिना शादी बच्चे को जन्म देने पर हर महिला को सजा नहीं मिलतीः-न्यूयॉर्क टाइम्स की जांच के मुताबिक, सऊदी अरब में बिना शादी बच्चे को जन्म देने वाली कई महिलाओं को किसी तरह की कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ता। अखबार ने ऐसी कई महिलाओं से बात की, जिन्होंने बताया कि उन्हें इस वजह से कोई सजा नहीं मिली। मुथोनी के मामले में कार्रवाई क्यों हुई, यह साफ नहीं है। अदालत के फैसले में बच्चे के पिता के खिलाफ कार्रवाई किए जाने का भी कोई जिक्र नहीं है। सऊदी अरब में बिना शादी बच्चे को जन्म देने वाली महिलाओं के बच्चों को अक्सर जन्म प्रमाणपत्र नहीं मिल पाता। इसके कारण उनके लिए यात्रा करना और अपने देश लौटना मुश्किल हो जाता है। 2020 में कोड़े मारने की सजा पर रोक लगी थीः-सऊदी अरब की कानूनी व्यवस्था इस्लामी कानून यानी शरिया पर आधारित है। वहां बिना शादी शारीरिक संबंध बनाना अपराध माना जाता है। हालांकि, देश में लिखित आपराधिक कानून नहीं है। ऐसे मामलों में जज शरिया की अपनी व्याख्या के आधार पर फैसला सुनाते हैं। इस वजह से यह तय करना मुश्किल होता है कि किस व्यवहार पर क्या सजा मिलेगी। साल 2020 में सऊदी अरब ने कुछ अपराधों में कोड़े मारने की सजा खत्म करने का फैसला किया था। लेकिन यह बदलाव उन अपराधों पर लागू नहीं हुआ, जिनकी सजा शरिया में तय मानी जाती है। इनमें शादी के बाहर शारीरिक संबंध और शराब पीने जैसे अपराध शामिल हैं। मुथोनी को 100 कोड़े मारने की सजा इसी धार्मिक कानून की एक व्याख्या के आधार पर सुनाई गई है। सजा देने के दौरान महिलाओं को बैठाकर और कपड़े पहनाकर बांस की छड़ी से शरीर पर मारा जाता है। हालांकि, यह पता लगाना मुश्किल है कि सऊदी अरब में ऐसे मामलों में कितनी बार कोड़े मारने की सजा दी जाती है। वहां अदालतों के फैसले आमतौर पर सार्वजनिक नहीं किए जाते।

न्यूयॉर्क की जेल से ब्रिटिश एयरबेस पर हमले का प्लान, आरोपी फोन पर कोड भाषा में दे रहा था निर्देश

वॉशिंगटन डीसी। ब्रिटेन के रॉयल एयरफोर्स (आरएएफ) फेयरफोर्ड एयरबेस पर ईंधन से भरी तीन वैन के जरिए हमले की साजिश रची गई। अमेरिकी जांच एजेंसियों के मुताबिक, इसका मुख्य आरोपी मोहम्मद बाकिर साद दाऊद अल-असादी उस वक्त न्यूयॉर्क की जेल में बंद था। वह जेल से ही फोन पर कोड भाषा में अपने साथियों को निर्देश दे रहा था। अमेरिकी न्याय विभाग ने 10 नवंबर को इस मामले में तीन लोगों- अल-असादी, मोहसिन मोहाजेरी और मोहम्मद अली अल-हसानी के खिलाफ आरोप तय किए। अधिकारियों का दावा है कि तीनों के ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स और इराक वेऽ संगठन कताइब हिजबुल्लाह से संबंध थे। 27 सितंबर को आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस के पास तीन संदिग्ध वैन मिली थीं। इन्हें एक दिन पहले एयरबेस की ओर भेजा गया था। वैन पर ईंधन सप्लाई और स्विमिंग पूल से जुड़ी सेवाओं के नकली लोगो लगाए गए थे, ताकि वे सामान्य डिलीवरी गाड़ियों जैसी दिखें। एक किसान ने संदिग्ध गतिविधियां देखकर पुलिस को सूचना दी। जांच में वैन से पेट्रोल और ईंधन के ड्रम मिले, लेकिन विस्फोटक नहीं मिले। कम से कम दो वैन को एयरबेस के प्रवेश द्वार पर ही रोक लिया गया था। अमेरिकी अभियोजकों वेऽ मुताबिक, इन वैन का इस्तेमाल विस्फोट कर हमला करने के लिए किया जाना था। ब्रिटिश पुलिस ने मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया। अक्टूबर के आखिर में कुछ संदिग्धों को दोबारा हिरासत में लिया गया। जांच एजेंसियों को शक था कि इस साजिश में ईरान की भूमिका हो सकती है। अगस्त से चल रही थी हमले की तैयारीः- अमेरिकी जांच के मुताबिक, 22 अगस्त को अल-हसानी ने एक व्यक्ति को एयरबेस की निगरानी करने और वहां के वीडियो भेजने को कहा था। इसके बाद एयरबेस की सुरक्षा व्यवस्था और आसपास के इलाकों की जानकारी जुटाई गई। सितंबर में हमले के लिए वैन और ईंधन के ड्रम जुटाए गए। 26 सितंबर को तीनों वैन एयरबेस की ओर भेज दी गईं। जांच एजेंसियों का आरोप है कि इस पूरी साजिश में अल-हसानी, मोहाजेरी और अल-असादी शामिल थे। जेल से परिवार के जरिए भेजता था संदेशः-अल-असादी न्यूयॉर्क की ब्रुकलिन जेल में बंद था। अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, वह अपनी मां और बहन के जरिए इराक में मौजूद साथियों तक संदेश पहुंचाता था। बातचीत में हमले के लिए 'काम' विस्फोट कर हमला करने के लिए किया जाना था। ब्रिटिश पुलिस ने मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया। अक्टूबर के आखिर में कुछ संदिग्धों को दोबारा हिरासत में लिया गया। जांच एजेंसियों को शक था कि इस साजिश में ईरान की भूमिका हो सकती है। अगस्त से चल रही थी हमले की तैयारीः- अमेरिकी जांच के मुताबिक, 22 अगस्त को अल-हसानी ने एक व्यक्ति को एयरबेस की निगरानी करने और वहां के वीडियो भेजने को कहा था। इसके बाद एयरबेस की सुरक्षा व्यवस्था और आसपास के इलाकों की जानकारी जुटाई गई। सितंबर में हमले के लिए वैन और ईंधन के ड्रम जुटाए गए। 26 सितंबर को तीनों वैन एयरबेस की ओर भेज दी गईं। जांच एजेंसियों का आरोप है कि इस पूरी साजिश में अल-हसानी, मोहाजेरी और अल-असादी शामिल थे। जेल से परिवार के

पाक डिप्टी पीएम के पोते पर गैंगरेप के आरोप तय,विदेशी महिला की सलाह पर पैसे लगाए, नुकसान हुआ तो पाकिस्तान फायदा उठाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने दो विदेशी महिलाओं के साथ गैंगरेप और अपहरण के मामले में उपप्रधानमंत्री इशाक डार के पोते मोहम्मद रजा डार समेत 8



आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। सभी आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया है। अदालत ने 9 दिसंबर को गवाह पेश करने का निर्देश दिया है। इस मामले में रजा डार पर आरोप है कि उसने क्रिप्टोकरेंसी कारोबार में निवेश के विवाद के बाद नीदरलैंड और वेनेजुएला की दो महिलाओं को पाकिस्तान बुलाया। इसके बाद उन्हें लाहौर के एक घर में बंधक बनाया गया, उनके साथ रेप किया गया और पैसे वसूले गए। हालांकि, पुलिस की जांच रिपोर्ट में रजा डार और उसके चार साथियों को रेप के आरोप से क्लीन चिट दे दी गई थी। पुलिस ने इसके लिए रजा के तीन कर्मचारियों को जिम्मेदार बताया था सिंगापुर में मुलाकात, क्रिप्टोकरेंसी कारोबार में लगाया पैसाः-पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, नीदरलैंड की स्टेफनी अदनाना माउ-अरुण और वेनेजुएला की एस्ट्रिड रॉबिन्सन बाराचो की मुलाकात 2025 में सिंगापुर में रजा डार से हुई थी। दोनों महिलाएं क्रिप्टोकरेंसी का कारोबार करती थीं। उन्होंने रजा को अपने कारोबार में निवेश करने का प्रस्ताव दिया था। रजा ने शुरुआत में पैसा लगाया और उसे मुनाफा भी मिला। इसके बाद उसने कारोबार में 5 लाख डॉलर (करीब 4.75 करोड़ रुपए) से ज्यादा का निवेश किया। लेकिन इस बार उसे न तो मुनाफा मिला और न ही उसकी रकम वापस की गई। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। निवेश की रकम लौटाने के बहाने पाकिस्तान बुलायाः-जून 2026 में रजा ने दोनों महिलाओं को पाकिस्तान बुलाया। उसने उनसे कहा कि वहां उनकी मुलाकात एक दूसरे निवेशक से कराई जाएगी। दोनों महिलाएं पाकिस्तान पहुंचीं और इस्लामाबाद के एक होटल में रुकीं। वे अपनी मर्जी से मुरी हिल स्टेशन भी घूमने गईं। इसके बाद 29 जून को उन्हें लाहौर के डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी इलाके के एक घर में ले जाया गया। आरोप है कि वहां उन्हें बंधक बना लिया गया और निवेश की रकम लौटाने का दबाव बनाया गया। हथियार दिखाकर धमकायाः- पुलिस के मुताबिक, घर में हथियारबंद लोग तैनात थे। उन्होंने महिलाओं को चाकू, बंदूक और टूटे हुए शीशे से डराया।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

आतिशबाजी के बाद वायु प्रदूषण, आंखों में जलन सांस लेने में समस्या

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी



प्रयागराज में दिवाली पर हुई आतिशबाजी के बाद वायु प्रदूषण का असर अब भी बना हुआ है। बुधवार सुबह शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 356 दर्ज किया गया। यह बहुत खराब श्रेणी में आता है। सोमवार को एक्यूआई 500 के पार पहुंच गया था। इसके बाद प्रदूषण के स्तर में गिरावट जरूर आई है, लेकिन हवा अब भी सांस लेने के लिए साफ नहीं है। जहां लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है और आंखों में जलन की समस्या उत्पन्न हो रही है सुबह के समय शहर में धुंध और स्मॉग का असर दिखाई दे रहा है। वही मीडिया से बात करते हुए डॉक्टर अमित ने कहा की बच्चों को और बुजुर्गों को ज्यादातर इंदौर में रखना चाहिए और सुबह शाम खुली जगह पर निकलने से बचना चाहिए साथी आंखों को ठंडा पानी से धोएं और फिर भी आराम नहीं मिलता है तो अपने नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करें जिससे की समस्या का समाधान हो सके और लोगों से यह भी अपील की की त्यौहार के साथ-साथ जीवन भी अपना है और आंखें भी अपनी है इसको सुरक्षित रखें और सावधानी बरते हैं।

डीएम की अध्यक्षता में पंचायती राज एवं ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न,योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में



कलेक्ट्रेट सभागार में पंचायती राज विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में दोनों विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पंचायती राज विभाग की समीक्षा के दौरान स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), ग्राम पंचायत विकास योजना (जी0पी0डी0पी0), अन्त्येष्टि स्थल निर्माण, डिजीटल लाइब्रेरी सहित अन्य विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर जन्म प्रमाण पत्र के अधिक संख्या में आवेदन लंबित पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित कोई भी आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। सभी आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण करते हुए पात्र आवेदकों को समय से प्रमाण पत्र जारी किए जाएं, जिससे आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।जिलाधिकारी ने पंचायती राज विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप शीघ्र पूर्ण कराया जाए। कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो तथा संबंधित अधिकारी नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करें। इसी क्रम में ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास योजना सहित अन्य विकासपरक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों को शासन की योजनाओं का लाभ पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ उपलब्ध कराया जाए। आवास योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत एवं निर्माणाधीन आवासों की प्रगति पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें निर्धारित समय में पूर्ण कराया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय सिंह सहित पंचायती राज एवं ग्राम्य विकास विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं गठित कमेटी के साथ बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला



निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में आगामी विधानसभा सामान्यनिर्वाचन-2027 को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत बैठक आयोजित की गई।बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ क्रिटिकल एवं वल्नरेबिलिटी मैपिंग के संबंध में चर्चा की गई।निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए संवेदनशील एवं अति संवेदनशील क्षेत्रों तथा मतदान केंद्रों के संबंध में आवश्यक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत निर्वाचन से संबंधित विभिन्न बैठकों एवं अन्य व्यवस्थाओं में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों जैसे टेंट, फर्नीचर, कुर्सी,मेज, वाहन आदि का निर्धारित दरों के आधार पर रेट चार्ट तैयार किए जाने के संबंध में जनपद स्तर पर गठित कमेटी के साथ विचार-विमर्श किया गया।जिलाधिकारी ने निर्वाचन संबंधी सभी तैयारियों को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने तथा निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र सहित संबंधित अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सीएससी आईडी के दुरुपयोग से लाखों रुपये की साइबर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश,व्यक्तियों के दस्तावेजों पर फर्जी सीएससी आईडी बनाकर भी कराते थे सत्यापन दो अभियुक्त गिरफ्तार

जनसेवा केन्द्रों की इनएक्टिव सीएससी आईडी को एक्टिव कराने के नाम पर यूजर आईडी एवं पासवर्ड हासिल कर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे अभियुक्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक, जनपद सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में साइबर



अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण एवं साइबर अपराधों के अनावरण हेतु साइबर क्राइम पुलिस थाना को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी/सहायक नोडल अधिकारी के पर्यवेक्षण में साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए मु0अ0सं0 13/2026, धारा 318(4), 66(डी) से संबंधित प्रकरण में सीएससी आईडी के दुरुपयोग के माध्यम से लाखों रुपये की साइबर धोखाधड़ी के मामले का सफल अनावरण किया गया है। इस कार्रवाई में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। अपराध करने का तरीका:- जांच में प्रकाश में आया कि जनसेवा केन्द्र से संबंधित कार्यों में संविदा पर नियुक्त अभियुक्त आशीष कुमार पाण्डेय द्वारा जनपद में संचालित जनसेवा केन्द्रों की इनएक्टिव सीएससी आईडी को पुनः एक्टिव कराने के नाम पर संचालकों से उनकी यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त कर लिए जाते थे। इसके बाद पासवर्ड बदलकर उक्त सीएससी आईडी साइबर अपराध में संलिप्त व्यक्तियों को उपलब्ध करा दी जाती थी। इसके अतिरिक्त अभियुक्तों द्वारा साइबर अपराधियों के साथ मिलकर अन्य व्यक्तियों के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उनके नाम से नई सीएससी आईडी बनवाई जाती थी तथा उनका सत्यापन कराकर उन्हें एक्टिवेट किया जाता था। इस प्रकार फर्जी तरीके से तैयार की गई एवं अन्य जनसेवा केन्द्रों की सीएससी आईडी साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराकर साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था। प्रकरण में प्रकाश में आए पीड़ित एवं जनसेवा केन्द्रों का विवरण:- जांच के दौरान निम्नलिखित पीड़ित व्यक्तियों एवं जनसेवा केन्द्रों के नाम प्रकाश में आए हैं- 1. विशाल पटेल पुत्र अवधेश पटेल, निवासी सुकृत, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र - इनके द्वारा बैंक खाता खुलवाने के उद्देश्य से जनसेवा केन्द्र पर अपने दस्तावेज उपलब्ध कराए गए थे। उक्त दस्तावेजों का दुरुपयोग कर सीएससी आईडी बनाई गई, जिसका सत्यापन अभियुक्तों द्वारा कराया गया था। संबंधित स्थान पर पूर्व से ही ओम कम्प्यूटर, सुकृत स्थापित था। 2. सुशील कुमार - एक छात्र के नाम पर सीएससी आईडी बनाकर उसका दुरुपयोग साइबर धोखाधड़ी में किया गया। 3. रमेश कुमार गुर्जर पुत्र भोला प्रसाद, निवासी कन्हरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र - इनके जनसेवा केन्द्र के माध्यम से ऑपरेटर आईडी बनाकर साइबर धोखाधड़ी की गई। 4. सविता पत्नी रूपनाथ प्रजापति - इनके जनसेवा केन्द्र के माध्यम से भी ऑपरेटर आईडी बनाकर साइबर धोखाधड़ी की गई। पीड़ित की शिकायत पर हुई प्रभावी कार्रवाई:- उक्त प्रकरण में जिला समन्वयक की भूमिका एवं धोखाधड़ी में संलिप्तता के संबंध में पूछताछ हेतु बुलाए जाने पर संबंधित पीड़ित थाने पर उपस्थित हुए। पीड़ित विशाल पटेल द्वारा बताया गया कि गलत सत्यापन एवं सीएससी आईडी के आपराधिक गतिविधियों में दुरुपयोग के कारण गुजरात पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार किया गया था तथा उन्हें जमानत करानी पड़ी थी।

पीड़ित द्वारा अपनी आपबीती बताने पर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रकरण में कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था।

इसी क्रम में साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र द्वारा साक्ष्यों एवं जांच के आधार पर दोनों अभियुक्तों को पूछताछ हेतु साइबर थाने पर बुलाया गया, जिसमें दोनों की संलिप्तता पाए जाने पर उन्हें गिरफ्तार कर साइबर धोखाधड़ी के इस नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण:-1. आशीष कुमार पाण्डेय पुत्र सुखनन्दन पाण्डेय, निवासी उस्मानपुर, थाना चुनार, जनपद मिर्जापुर।

2. अभय कुमार गौंड पुत्र शंकर प्रसाद गौंड, निवासी नवापुरा, थाना सारनाथ, जनपद वाराणसी। बरामदगी का विवरण:-1. दो अदद एंड्रॉयड मोबाइल फोन। 2. एक अदद दोपहिया वाहन (पल्सर)। पुलिस टीम का विवरण:-1. प्र0नि0 धीरेन्द्र कुमार चौधरी, साइबर थाना/साइबर सेल सोनभद्र।

2. उ0नि0 आशीष पटेल, साइबर थाना सोनभद्र।

3. हे0का0 शिवनन्दन सिंह यादव, साइबर थाना सोनभद्र।

4. हे0का0 संजय कुमार वर्मा, साइबर थाना सोनभद्र। 5. हे0का0 योगेश यादव, साइबर थाना सोनभद्र। 6. का0 सुनील रावत, साइबर सेल सोनभद्र।

वकीलों का मच्छरदानी लगाकर पीएचक्यू में आमरण अनशन,बोले- गिरफ्तारी होने तक नहीं हटूंगा

प्रयागराज। प्रयागराज में बाइक लोन के 63,400 रुपये हड़पने के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर अनशन कर रहे हाईकोर्ट के अधिवक्ता बृजेश कुमार तिवारी ने अब पुलिस मुख्यालय में डेरा डाल दिया है। बृहस्पतिवार को बेली अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह सीधे पुलिस मुख्यालय पहुंचे और अनशन पर बैठ गए। उन्होंने साफ कहा कि जब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होती, उनका आमरण अनशन जारी रहेगा। नौ दिन सिविल लाइंस थाने में चला था प्रदर्शन इससे पहले बृजेश तिवारी कई दिनों तक सिविल लाइंस थाने के परिसर में धरने पर बैठे थे।

डीएम व एसपी ने छठ पूजा के दृष्टिगत राजघाट एवं शहीद स्मारक सई नदी घाटों का किया निरीक्षण,श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत घाटों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी



सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने छठ पूजा पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत राजघाट तथा शहीद स्मारक स्थित सई नदी के घाटों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगमता से पूजा-अर्चना सम्पन्न कराने के लिए की जा रही तैयारियों का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने घाटों पर भूमि समतलीकरण, बैरिकेडिंग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई एवं शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ पूजा से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं बेहतर ढंग से सुनिश्चित कर ली जाएं, जिससे महिलाओं एवं अन्य श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।जिलाधिकारी ने घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सुगम आवागमन तथा सुरक्षा के समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि छठ पूजा के दौरान घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती एवं भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए,ताकि पर्व शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न हो सके। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, उप जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश गौतम, क्षेत्राधिकारी नगर आशीष निगम, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

युवक नहीं मिला तो मां पर फेंका बम

प्रयागराज। करेली में एक युवक को तलाशते हुए उसके घर पहुंचे तीन हमलावरों ने उसकी मां पर बम से हमला कर दिया। युवक घर पर नहीं मिला तो आरोपियों ने उसकी 40 वर्षीय मां शबीना बेगम को निशाना बनाया। विस्फोट में बम के छर्रे महिला के चेहरे पर लगे, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात के बाद फरार हुए तीन आरोपियों में से दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तीसरे की तलाश की जा रही है।

मण्डल रेल प्रबंधक ने लखनऊ-गोण्डा रेलखण्ड का विंडो ट्रेलिंग का स्टेशन किया गहन निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल छठ पर्व के उपलक्ष्य में चलाई जा रही विशेष गाड़ियों के संरक्षित परिचालन एवं छठ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मण्डल रेल प्रबंधक श्री गौरव अग्रवाल ने आज शाखाधिकारियों के साथ लखनऊ-गोण्डा रेलखण्ड का विंडो ट्रेलिंग एवं गोण्डा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक ने सर्वप्रथम प्लेटफॉर्म संख्या-6 पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं एवं प्लेटफार्म के सुधार कार्यों का जायजा लिया। तदुपरान्त उन्होने गोण्डा यार्ड में पॉइंट संख्या 32ँ का संरक्षा निरीक्षण किया। इसी क्रम में उन्होंने गोण्डा रेलवे अस्पताल का निरीक्षण कर चिकित्सालय मे मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की और मेडिसिन केआई उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु संबन्धित को दिशा निर्देश दिया। इसी क्रम में उन्होने गोंडा रेलवे कॉलोनी में रेल आवासों के चल रहे मरम्मत कार्यों की प्रगति का भी अवलोकन किया और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त मण्डल रेल प्रबंधक ने गोंडा रेलवे स्टेशन के सर्वकुलेटिंग एरिया, स्टेशन परिसर एवं प्लेटफॉर्म की साफ-सफाई का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने खानपान स्टॉल, वॉटर वेंडिंग मशीन, पेयजल की उपलब्धता, आईपीएस कक्ष तथा स्टेशन पर उपलब्ध अन्य यात्री सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/समन्वय, वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक/समन्वय, वरिष्ठ मण्डल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी, सहायक मण्डल इंजीनियर/गोण्डा/पूर्व, स्टेशन अधीक्षक सहित वरिष्ठ पार्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।

प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मिल रही नई मजबूती- केशव प्रसाद मौर्य

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उद्यमियों, महिलाओं, वंचित वर्गों और किसानों के हित में केंद्रीय मंत्रिमंडल के महत्वपूर्ण निर्णय,सूक्ष्म उद्यमों को मिलेगा आर्थिक संबल, स्टैंड-अप इंडिया योजना से 2.5 लाख नए उद्यमियों को मिलेगी वित्तीय सहायता,रबी सीजन 2026-27 के लिए ?62,370 करोड़ की उर्वरक सब्सिडी को मंजूरी, किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी एवं कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार निरंतर देश के प्रत्येक वर्ग के कल्याण, आर्थिक सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता के संकल्प



को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय ले रही है। बुधवार को प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय उद्यमियों, महिलाओं, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों तथा अन्नदाता किसानों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होंगे।

मौर्य ने कहा कि सूक्ष्म इकाइयों के लिए ऋण गारंटी निधि को 31 मार्च 2031 तक जारी रखने तथा रु5,000 करोड़ के कोष को मंजूरी देना छोटे उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इस निर्णय से आगामी पांच वर्षों में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत रु12.6 लाख करोड़ के ऋण उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

इसके साथ ही गारंटी शुल्क को 1 प्रतिशत से घटाकर 0.75 प्रतिशत वार्षिक किए जाने से सूक्ष्म उद्यमियों पर वित्तीय बोझ कम होगा तथा उन्हें अपने कारोबार के विस्तार और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में प्रोत्साहन मिलेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्टैंड-अप इंडिया योजना को 31 मार्च 2031 तक जारी रखने का निर्णय सामाजिक एवं आर्थिक समावेशन की दिशा में अत्यंत सराहनीय है। इसके अंतर्गत आगामी पांच वर्षों में महिलाओं, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के 2.5 लाख अतिरिक्त उद्यमियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना के प्रारंभ से अब तक 2.75 लाख से अधिक लाभार्थियों को ऋण सहायता मिलना इसकी सफलता और प्रभावशीलता का प्रमाण है। यह योजना समाज के वंचित वर्गों को उद्यमशीलता से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम बन रही है। केशव मौर्य ने कहा कि अन्नदाता किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रबी सीजन 2026-27 के लिए फॉस्फेट एवं पोटाश उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरों को मंजूरी प्रदान की है। इसके लिए लगभग रु62,370 करोड़ की अनुमानित सब्सिडी का प्रावधान किसानों को किफायती दरों पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे खेती की लागत को नियंत्रित रखने के साथ ही किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और कृषि क्षेत्र को नई गति देने में मदद मिलेगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की नीतियों का मूल उद्देश्य गरीब, किसान, महिला, युवा और उद्यमी सहित समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना है।

उद्यमियों को सस्ता ऋण, वंचित वर्गों को स्वरोजगार के अवसर और किसानों को उर्वरक सब्सिडी के माध्यम से राहत देने वाले ये निर्णय विकसित भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

मौर्य ने सूक्ष्म उद्यमों को प्रोत्साहन देने, महिलाओं एवं वंचित वर्गों में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने तथा अन्नदाता किसानों के हितों की रक्षा करने वाले इन जनकल्याणकारी निर्णयों के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं केंद्रीय मंत्रिमंडल के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण और स्वगणना को लेकर बैठक/प्रशिक्षण सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/जिला जनगणना अधिकारी सहदेव मिश्र की अध्यक्षता में महात्मा गांधी सभागार में आगामी जनगणना 2027 के द्वितीय चरण को लेकर प्रशिक्षण एवं व्यापक जन-जागरूकता अभियान के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जनगणना के द्वितीय चरण और स्वगणना कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई, स्वगणना कार्यक्रम (15 दिवस) जो 16 नवंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 तक चलेगा, द्वितीय चरण के कार्य 01 दिसंबर 2026 से 04 जनवरी 2027 की निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत संपन्न किए जाएंगे। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। इसके सफल संचालन के लिए जनपद स्तर पर तैयार की गई विभाग-वार कार्य योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही जनजागरूकता हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर विशेष बल दिया गया, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वगणना का लाभ उठा सकें और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी व सुगम हो सके। बैठक में जिला जनगणना अधिकारी ने जनगणना-2027 के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि जनगणना एक राष्ट्रीय महत्व का



कार्य है, जिसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े देश एवं समाज के विकास की नीतियों और योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतः इस कार्य को पूर्ण गंभीरता, जिम्मेदारी एवं पारदर्शिता के साथ संपादित किया जाना आवश्यक है। स्वगणना से संबंधित अपने व्यक्तव्य में विशेष रूप से 16 नवंबर से प्रारम्भ होने वाले स्वगणना अभियान के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि स्वगणना के माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी एवं अपने परिवार की निर्धारित जानकारियां ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इससे जनगणना प्रक्रिया में जनसहभागिता बढ़ेगी तथा आंकड़ों के संकलन की प्रक्रिया अधिक सरल, सुगम एवं प्रभावी बनेगी। अपर जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों एवं विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागों एवं संस्थानों के माध्यम से स्वगणना अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। विशेष रूप से विद्यालयों के माध्यम से अभिभावकों एवं आम नागरिकों को स्वगणना के प्रति जागरूक करने तथा उन्हें इस प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करने पर बल दिया गया। बैठक में जनगणना कार्य की महत्ता, विभागीय समन्वय, जनजागरूकता, डिजिटल माध्यमों के उपयोग तथा स्वगणना अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक के माध्यम से सभी संबंधित अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे आपसी समन्वय एवं प्रतिबद्धता के साथ इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान को सफल बनाने में अपनी प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करें। बैठक का संचालन जिला जनगणना प्रशिक्षक आशुतोष तिवारी, डा0 विनीत कुमार त्रिवेदी, शिवनेन्द्र सिंह जी द्वारा की गई। बैठक के आयोजन में जिला जनगणना कार्यालय के सदस्य अभय मिश्रा,सौरभ अवस्थी, राघवेन्द्र सिंह, प्रमोद त्रिवेदी आदि की प्रमुख भूमिका रही। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ब्रजेश तिवारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा, एलडीएम सुबोध मिश्रा सहित राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधिगण, स्वयं सहायता समूह संचालिकाओं व महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों ने प्रतिभाग किया।

रोजगार मेले का आयोजन 17 एवं 18 नवंबर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज एवं शंभू नाथ ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट झलवा, प्रयागराज के संयुक्त पतत्वाधान में दिनांक 17.11. 2026 एवं दिनांक 18.11. 2026 को प्रातः 10:00 बजे से शंभू नाथ ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट, झलवा, प्रयागराज परिसर, विधानसभा शहर पश्चिम में दो दिवसीय बृहद रोजगार महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस दो दिवसीय रोजगार महोत्सव में निजी क्षेत्र की 100 प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा लगभग 40,000 से अधिक पदों पर सीधे भारती की जानी है, जिसमें वेतनमान रुपया 10,000 से 40,000 तक वेतन दिया जाएगा। उक्त रोजगार महोत्सव में दिनांक 17.11.2026 को जूनियर हाईस्कूल, हाई स्कूल, इंटर, स्नातक, बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए, बीसीए, बीई आदि परास्नातक के बेरोजगार अभ्यर्थी एवं दिनांक 18.11.26 को आईटीआई, डिप्लोमा, पॉलिटेक्निक, बीटेक, एमबीए, आदि उत्तीर्ण आयु सीमा 18 से 45 वर्ष के बेरोजगार बेरोजगार अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं।



इस रोजगार मेले में अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल पर अपना पंजीयन करके अपने समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र, अंक पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र की छाया प्रति के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थी रिक्तियों से संबंधित विस्तृत विवरण रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर प्राप्त कर सकते हैं। इस मेले में प्रतिभा हेतु यात्रा भत्ता देय नहीं है।

जिलाधिकारी ने संगम घाट सहित विभिन्न घाटों का भ्रमण कर छठ पूजा की तैयारियों के सम्बंध में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा गुरूवार को छठ पर्व को सकुशलढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत बोट से संगम घाट, राम घाट, अरैल घाट, बलुआघाट सहित अन्य घाटों का भ्रमण कर तैयारियों जायजा लेते हुए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने छठ पर्व के अवसर पर घाटों पर प्रकाश, साफ-सफाई, गोताखोर, बैरिकेटिंग, मोबाइल टॉयलेट, चेजिंग रूम सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिये हैं। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में घाटों का भ्रमण कर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश दिये है।



पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश दिये हैं। घाटों पर साफ-सफाई की अच्छी एवं मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम को निर्देशित किया है। साथ ही साथ पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया है कि यातायात की व्यवस्था के साथ-साथ पार्किंग की व्यवस्था तथा घाटों पर सुरक्षा आदि की समुचित व्यवस्था रहे। उन्होंने गहरें पानी में साइनेज एवं बैरिकेटिंग लगाये जाने के निर्देश

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को प्रमुख आयोजन स्थलों पर एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए कहा है। निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ऋषिराज, नगर आयुक्त सीलम साई तेजा, उपजिलाधिकारी विवेक शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

घर से निकलते ही 4 लोगों ने घेरकर पीटा,पीड़ित ने की न्याय और निष्पक्ष जांच की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के काशीराम कॉलोनी में मारपीट की घटना के बाद पीड़ित ने न्याय की मांग की है। पीड़ित का कहना है कि मौके पर उसके साथ मारपीट हुई है, उसे गाली दी गई और जान से मारने की धमकी दी गई। अब वह निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई चाहता है। पीड़ित राज कुमार पुत्र स्व. जग्गू, निवासी 86/1 काशीराम कॉलोनी एडीए, नैनी ने थाना प्रभारी नैनी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि- 8 नवंबर 2026, सुबह करीब 6:30 बजे वह घर से निकला ही था कि पिन्टू भारतीय, बसन्तू भारतीय, नन्ना भारतीय और सूरज भारतीय ने उसे घेर लिया। आरोप है कि चारों ने गाली-गलौज करते हुए मारना-पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में पीड़ित को गंभीर चोटें आईं। इसके बाद चारों जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए। पीड़ित की तहरीर पर थाना नैनी में एफआईआर नंबर 0588/2026, दिनांक 10/11/2026 को दर्ज हो चुकी है। धारा - 115(2), 352, 351(2) बीएनएस 2023 मामले की जांच अवर निरीक्षक पंकज कुमार भास्कर को सौंपी गई है। पीड़ित ने पुलिस से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए, मौके के साक्ष्य देखे जाएं और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो, ताकि उसे न्याय मिल सके।



श्रमिक महिलाओं के लिए निःशुल्क स्तन कैंसर जांच शिविर का सफल आयोजन, 'सशक्त महिला उद्यमी संगठन' की सराहनीय पहल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। महिलाओं में तेजी से बढ़ रही गंभीर बीमारी स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता और समय पर पहचान के उद्देश्य से सशक्त महिला उद्यमी संगठन द्वारा आज एक विशेष निःशुल्क स्तन कैंसर स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर एनएचपीसी लिमिटेड की सीएसआर पहल एवं SHEWings के सहयोग से संगठन की इकाई प्लॉट नं. 481, उद्योग केंद्र-2, इकोटेक-3, ग्रेटर नोएडा पर आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और बड़ी संख्या में श्रमिक एवं जरूरतमंद महिलाओं ने इसका लाभ उठाया। गरीब और श्रमिक महिलाओं पर विशेष फोकसः-संगठन ने इस शिविर को विशेष रूप से श्रमिक, निम्न आय वर्ग एवं कारखानों में कार्यरत महिला श्रमिकों को ध्यान में रखकर आयोजित किया था। अक्सर देखा जाता है कि स्तन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के बारे में गरीब तबके की, निम्न स्तर की हमारी श्रमिक महिलाएं तब जान पाती हैं जब बीमारी अपनी आखिरी अवस्था में पहुंच चुकी होती है या बहुत देर हो चुकी होती है। इसी गंभीर स्थिति को मद्देनजर रखते हुए संगठन ने यह पहल की कि समय रहते निःशुल्क जांच और जागरूकता के माध्यम से महिलाओं को इस बीमारी से बचाया जा सके। शिविर में महिलाओं के लिए स्तन कैंसर की निःशुल्क जांच, स्वयं स्तन जांच (Breast Self-Examination) की जानकारी तथा विशेषज्ञ महिला चिकित्सकों द्वारा परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। डॉ. खुशबू ने कहा-स्वस्थ समाज से ही विकसित भारत की बुनियाद अध्यक्ष कहा- 'आज स्तन कैंसर महिलाओं के बीच सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है।

मुकेश शर्मा के सौजन्य से नोएडा में पहली बार होगा 'अपने-अपने राम' का भव्य आयोजन, 13 नवंबर से तीन दिवसीय श्रीराम कथा प्रस्तुत करेंगे डॉ. कुमार विश्वास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजसेवी, शिक्षाविद् एवं उद्यमी मुकेश शर्मा के सौजन्य से नोएडा में पहली बार विश्वविख्यात कवि एवं प्रख्यात रामकथा मर्मज्ञ डॉ. कुमार विश्वास द्वारा तीन दिवसीय 'अपने-अपने राम' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 13 से 15 नवंबर तक वर्ल्ड्स ऑफ वंडर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में प्रतिदिन शाम 4 से 7:30 बजे तक डॉ. कुमार विश्वास अपनी विशिष्ट काव्यात्मक शैली में भगवान श्रीराम के जीवन दर्शन, आदर्शों और प्रसंगों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के पहले दिन श्रीराम जन्मोत्सव, दूसरे दिन सीताराम विवाह तथा तीसरे दिन श्रीराम राजतिलक के प्रसंग प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, मर्यादा, संस्कार और भगवान श्रीराम के आदर्शों से जोड़ना है। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा, हालांकि इसके लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य है। शिक्षा, रोजगार और समाजसेवा के क्षेत्र में मुकेश शर्मा की विशेष पहचानः-उल्लेखनीय है कि मुकेश शर्मा ने नोएडा को अपनी कर्मभूमि बनाकर उद्यमिता, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। एक उद्यमी के रूप में उन्होंने हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में इंदसूपले एम्ददत के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, खेल, नेतृत्व क्षमता, उद्यमशीलता और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। उनका प्रयास शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम बनाना है। इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से भी वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनका मानना है कि समाज से प्राप्त सहयोग और अवसरों का उपयोग समाज के उत्थान के लिए किया जाना चाहिए। मुकेश शर्मा ने कहा कि नोएडा ने उन्हें आगे बढ़ने और समाज के लिए कार्य करने के अनेक अवसर दिए हैं। 'अपने-अपने राम' का आयोजन इसी शहर के प्रति उनके आभार और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन परिवारों और युवाओं को भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में जुटे स्वयंसेवकों और हनुमंत परिवार के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी साथियों के सेवाभाव, समर्पण और सामूहिक प्रयासों से ही इतने बड़े आयोजन को साकार किया जा रहा है।



पांच दिवसीय बौद्धाचार्य प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का समापन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। मंगापुर भीमी में 7 नवम्बर से चल रहा अम्बेडकर कल्याण समिति के बैनर तले बौद्धाचार्य प्रशिक्षण शिविर का आज़ समापन हुआ। समापन में भिक्खू संघ ने प्रशिक्षुओं को बुद्ध, धम्म और संघ से संक्षिप्त रूप से परिचय कराया और उन्हें धम्म के मार्ग पर चलकर अपने आचरण से समाज में धम्म का प्रकाश फैलाने की मंगलकामनाएं किया। प्रशिक्षण प्रशिक्षक राम समुझ बौद्धाचार्य बौद्धाचार्य ने कार्यक्रम आयोजन में मुख्य भूमिका का निर्वहन किया। प्रशिक्षण के अन्तिम दिवस पर प्रशिक्षुओं से सीखे गए संस्कारों पर प्रश्नोत्तरी हुई प्रशिक्षुओं ने बखूबी अपने समझ के अनुसार प्रश्नों के जबाब दिए।प्रश्न पुस्तिका में तथागत बुद्ध,धम्म,बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर एवं संस्कार से सम्बन्धित प्रश्न शामिल थे। प्रशिक्षुओं में वरूण बौद्ध, दिलीप कुमार सरोज कन्हईराम बौद्ध, त्रिभुवन बौद्ध, सागर बौद्ध,कंचन श्वेता,आंचल,साक्षी आर्या,राम करन बौद्ध, राकेश बौद्ध राम खेलावन बौद्ध, भईया राम, राम जियावन आदि, भिक्खू संघ में पूज्य भिक्खू धम्म दीप, प्रज्ञा मित्र और शीलरत्न तथा अम्बेडकर कल्याण समिति के पदाधिकारियों एवं समाज सेवियों में धर्मेंद्र कुमार बौद्ध, वरिष्ठ समाजसेवी राम अभिलाष बौद्ध, इंद्रपाल गौतम, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्याम सुंदर जायसवाल,

फूल चंद बौद्ध, तुलसीराम शास्त्री, रामफल फ़ौजी डॉ अनुराग भारती, रामबली गौतम, किशोरी लाल बौद्ध

आशा बौद्ध, सहित बड़ी संख्या में धम्म अनुरागी मौजूद रहे।



बाहुबली का केशव पर तंज- सवाल पूछने पर पिटवाता नहीं,पद छोड़कर रैली करके दिखाइए,जीवनभर गुलाम रहूंगा

प्रयागराज। प्रयागराज के बाहुबली और पूर्व विधायक उदयभान करवरिया ने गुरुवार को जिला मुख्यालय से करीब 22 किलोमीटर दूर रामपुर करछना में शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब तक किसी के पास पद होता है, उसके आसपास चाटुकारों की भीड़ लगी रहती है। किसी को टिकट तो किसी को पद चाहिए। डिप्टी सीएम केशव मौर्य का नाम लिए बिना उन्हें चुनौती देते हुए उदयभान ने कहा, 'पद छोड़कर एक ऐसी रैली करके दिखाइए, मैं जिंदगीभर आपका गुलाम बनकर रहूंगा।' उदयभान ने प्रयागराज में हुए प्रबुद्ध ब्राह्मण सम्मेलन के दौरान हंगामे और थप्पड़बाजी को लेकर भी केशव मौर्य पर निशाना साधा। उन्होंने कहाः- 'अगर कोई सवाल पूछना चाहेगा तो उसका स्वागत करूंगा। मैं उन लोगों में से नहीं हूं, जो किसी वरिष्ठ नेता से सवाल पूछने पर धक्का देकर पुलिस हिरासत में पिटवाते हैं।' दरअसल, 2 नवंबर को प्रयागराज में केशव मौर्य एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान दो युवकों ने हाथ उठाकर कहा- 'केशव जी, यूज़ीसी पर भी कुछ कहिए।' इस पर डिप्टी सीएम नाराज हो गए। उन्होंने कहा, 'चुप रहो, चलो। मैं सब कुछ बोलूंगा। मैं कोई चीज बोलने से कभी नहीं रुकता हूं।' इसके बाद पुलिस ने दोनों युवकों को पकड़ लिया। आरोप है कि अल्लापुर से भाजपा पार्षद विनय मिश्रा ने एक युवक को थप्पड़ मार दिया। कार्यक्रम की शुरुआत 101 ब्राह्मणों के शंखनाद से हुई।



उदयभान करीब 10 हजार समर्थकों के साथ घर से कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस दौरान समर्थक हाथों में तलवार और फरसा लहराते दिखे। गाड़ियों के काफिले के कारण प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर करीब 4 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। करीब 10 साल जेल में रहने और पत्नी के निधन के बाद उदयभान एक बार फिर राजनीति में सक्रिय हुए हैं। उदयभान के भाई कपिल मुनि और सूरजभान भी राजनीति में रहे हैं।

बुजुर्गों ने रस्साकशी में दिखाया दम, रूमाल झपट्टा और म्यूजिकल चेयर में सबको चौंकाया- पुस्तक मेले की आगाज़

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति न्यास की ओर से गुरुवार 12 नवंबर को फिरोज गांधी कॉलेज परिसर में सात दिन चलने वाले पुस्तक मेले की शुरुआत हुई। 12 से 18 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस मेले की थीम 'लोक रंग-पुस्तकों संग' रखी गई है। पहले दिन बुजुर्गों और महिलाओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें रस्साकशी, रूमाल झपट्टा और म्यूजिकल चेयर जैसी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साह से हिस्सा लिया। शाम 6 बजे फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी होनी है। कार्यक्रम में पद्मश्री एथलीट सुधा सिंह, राही ब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र यादव, सीमेंस के डायरेक्टर डॉ. मनीष चौहान सहित अन्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान गोंडा की चर्चित बाल प्रतिभाएं अंशिका मिश्रा और उनकी छोटी बहन अनामिका मिश्रा भी शामिल हुईं। अंशिका को उनकी असाधारण स्मरण शक्ति के कारण 'गूगल गर्ल' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने महज 6.26 सेकंड में देश के सभी जिलों के नाम सुनाकर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया था। वहीं, सात वर्षीय अनामिका ने गांधी जयंती पर हाथ में तिरंगा लेकर 30 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर सबका ध्यान खींचा था। दोनों बहनों की उपलब्धियां कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र रहीं। अतिथियों का स्वागत राजीव भार्गव ने अंगवस्त्र पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर किया। कार्यक्रम का संचालन भी राजीव भार्गव ने किया। मेले के तहत साहित्य, लोककला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 13 नवंबर को सुबह 9:30 बजे स्कूली बच्चों की वाद-विवाद, चित्रकला एवं स्वरचित कविता प्रतियोगिताएं होंगी। इस समारोह में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी युग प्रेरक सम्मान से श्रीमती नीर यादव, डॉ. राम मनोहर त्रिपाठी लोक सेवा सम्मान से श्रीमती रेखा यादव,अंतिम दिन 18 नवंबर को शाम 5 बजे युवा कवि सम्मेलन और रात 9 बजे समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

इकलौते बेटे सहित उसके परिवार की लाश देख पिता का कलेजा फटा,बोले- ऐसा दुख भगवान दुश्मन को भी न दे

प्रयागराज। शहर में जिस घर में बेटे, बहू और दो पोतों के आने का इंतजार था, वहां गुरुवार सुबह चारों के शव पहुंचे। मृतक सौरभ उपाध्याय (40), उनकी पत्नी मेनका (35) और दोनों बच्चों के शव देखकर माता-पिता और दोनों बहनें फूट-फूटकर रोने लगीं। सुबह 10 बजे एक साथ परिवार के चार लोगों की अर्थियां उठीं तो पूरा मोहल्ला गमगीन हो गया। 66 साल के पिता जयगोविंद उपाध्याय ने गंगा किनारे रसूलाबाद घाट पर कांपते हाथों से अपने इकलौते बेटे और बहू को मुखाग्नि दी। दोनों मासूम बच्चों को गंगा किनारे दफनाया गया। परिजनों ने बुजुर्ग माता-पिता को हादसे की जानकारी नहीं दी थी। उन्हें डर था कि बेटे, बहू और दोनों पोतों की मौत की खबर वे बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। लेकिन गुरुवार सुबह चारों के शव घर पहुंचे तो उन्हें हादसे का पता चला। दरअसल, बुधवार दोपहर हरदोई में गंगा एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई थी। हादसे में बार्कलेज कंपनी के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट सौरभ, उनकी पत्नी मेनका और बेटों व्योम (7) व शिवओम (डेढ़ साल) की मौत हो गई थी। परिवार छठ पूजा मनाने प्रयागराज लौट रहा था। सौरभ के पिता जयगोविंद एमपी/एमएलए कोर्ट में विशेष अभियोजन अधिकारी रहे थे। इस समय वे इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकालत कर रहे हैं। घाट पर सबसे भावुक पल तब आया, जब जयगोविंद उपाध्याय बेटे सौरभ और बहू मेनका को मुखाग्नि देने के लिए आगे बढ़े। बेटे का चेहरा देखते ही वह खुद को संभाल नहीं सके। फूट-फूटकर रोने लगे। काफी देर तक बेटे के चेहरे को निहारते रहे। परिजनों ने किसी तरह उन्हें संभाला। इसके बाद उन्होंने बेटे और बहू को मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के बाद भी जयगोविंद की आंखें चिताओं पर टिकी रहीं। वह काफी देर तक दोनों चिताओं से कुछ दूरी पर बैठकर उन्हें एकटक देखते रहे। इस दौरान उनकी आंखों से लगातार आंसू छलकते रहे। उन्होंने कहाः- 'सब खत्म हो गया। इकलौता बेटा था, वह भी चला गया। भगवान ऐसा दुख किसी दुश्मन को भी न दे। बहनों ने कहा था- मम्मी-पापा के सामने मत रोना, शव देखते ही बिलख पड़ीं' हादसे की खबर मिलने के बाद परिवार के लोग बुजुर्ग माता-पिता को सच बताने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। घर के इकलौते बेटे, बहू और दोनों बच्चों की मौत की खबर सुनकर रिश्तेदारों ने तय किया कि माता-पिता को तत्काल कुछ नहीं बताया जाएगा। दोनों बहनें भी एक-दूसरे



को समझा रही थीं कि मम्मी-पापा के सामने आंसू नहीं बहाने हैं। सभी खुद को संभालकर सामान्य रहने की कोशिश करते रहे। लेकिन गुरुवार सुबह चारों शव घर पहुंचे तो बहनों का भी सब्र टूट गया। जिस दर्द को परिवार ने पूरी रात छिपाए रखा था, वह चीख-पुकार के रूप में बाहर आ गया। भाई दूज और छठ मनाने घर लौट रहा था परिवारः-सौरभ उपाध्याय नोएडा में लंदन की कंपनी बार्कलेज में एवीपी ट्रांसफॉर्मेशन के पद पर कार्यरत थे। वह पत्नी मेनका और दोनों बेटों के साथ पिछले 5-6 साल से नोएडा में रह रहे थे। इससे पहले पुणे में नौकरी करते थे।दीपावली पर घर नहीं आ पाने के कारण उन्होंने परिवार से भाई दूज और छठ पर प्रयागराज आने का वादा किया था। बुधवार सुबह भी उनकी घरवालों से फोन पर बात हुई थी। उन्होंने बताया था कि वह परिवार के साथ प्रयागराज के लिए निकल चुके हैं। सौरभ के बहनोई शिशिर उपाध्याय ने बताया कि घर में सभी उनके आने का इंतजार कर रहे थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि जिस फोन पर उनके घर पहुंचने की खबर का इंतजार था, उसी दिन कुछ घंटे बाद परिवार की मौत की सूचना मिलेगी। बुधवार सुबहः सौरभ उपाध्याय पत्नी मेनका और दो बेटों के साथ भाई दूज और छठ पूजा मनाने प्रयागराज के लिए निकले। दोपहर करीब 12 बजेः हरदोई के सांडी थाना क्षेत्र में भटौली माफी गांव के पास गंगा एक्सप्रेस-वे पर उनकी तेज रफ्तार एसयूवी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। 30 मीटर तक घिसटी कारः टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार उछलकर डिवाइडर पर चढ़ गई और करीब 30 मीटर तक घिसटती चली गई। बड़ा बेटा अंडरपास में गिराः पीछे की सीट पर बैठा 7 साल का व्योम कार का शीशा टूटने के बाद उछलकर एक्सप्रेस-वे से करीब 20 फीट नीचे अंडरपास में जा गिरा।माता-पिता की मौके पर मौतः कार चला रहे सौरभ और बगल की सीट पर बैठी पत्नी मेनका की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बड़े बेटे ने अस्पताल में दम तोड़ाः व्योम को सांडी सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छोटे बेटे को बचाने की कोशिशः डेढ़ साल के शिवओम को बिलग्राम सीएचसी ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। डॉक्टरों ने सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की, लेकिन उसकी मौत हो गई। एंबुलेंस में देरी का आरोपः भाजपा नेत्री दीपा विश्वास के मुताबिक, शिवओम के लिए एंबुलेंस बुलाई गई थी, लेकिन एक घंटे तक नहीं पहुंची। इसके बाद वह अपनी कार से उसे मेडिकल कॉलेज ले गईं। चारों की मौतः हादसे में सौरभ, उनकी पत्नी और दोनों बेटों की जान चली गई।

ई-रिक्शा चालकों की समस्याओं को लेकर पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन,धर्मशाला चौराहे तक संचालन की अनुमति देने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में पूर्व



विधायक अविनाश कुशवाहा के नेतृत्व में सैंकड़ों की संख्या में चुर्क रामलीला मैदान से पुलिस लाइन पहुंच कर ई-रिक्शा चालकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर, पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए ई-रिक्शा के संचालन को धर्मशाला चौराहे तक पूर्व की भांति अनुमति दिए जाने की मांग की है। अविनाश कुशवाहा ने कहा कि:- ई-रिक्शा चालक बैंक से ऋण लेकर ई-रिक्शा खरीदकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। इसी से उनके परिवार की आजीविका चलती है और वे बैंक की किस्तों का भुगतान भी करते हैं। लेकिन वर्तमान में ई-रिक्शा को रॉबर्ट्सगंज से आगे जाने से रोके जाने के कारण उनके सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। और सवारी के रूप में आम जनता पर भी दोहरे किराए की मार पड़ रही है। चालकों ने कहा कि पूर्व में ई-रिक्शा धर्मशाला चौराहे तक सवारी लेकर जाते थे, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों एवं अन्य यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलती थी। लेकिन अब उन्हें वहां तक जाने से रोका जा रहा है। पूर्व चेयरमैन चुर्क सईद कुरैशी ने कहा कि उसी मार्ग पर अन्य बड़े वाहन एवं निजी बसें भी संचालित होती हैं और सड़क किनारे बसें खड़ी कर सवारियां बैठाई जाती हैं, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके बावजूद ई-रिक्शा चालकों पर ही प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है। ई-रिक्शा चालकों ने प्रशासन से मांग की है कि उनके साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार न किया जाए तथा आम जनता की सुविधा और चालकों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए ई-रिक्शा संचालन की अनुमति धर्मशाला चौराहे तक प्रदान की जाए। चालकों ने पुलिस अधीक्षक से इस समस्या का निष्पक्ष समाधान कराकर उन्हें राहत प्रदान करने की अपील की है। ई-रिक्शा चालकों का कहना है कि वे यातायात व्यवस्था का पालन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनकी रोजी-रोटी पर संकट आम नागरिकों, मरीजों, खड़ा न किया जाए।

हार्टफुलनेस का एकात्म अभियान, हर दिल ध्यान हर दिन ध्यान-गोपाल

छपका स्थित वृद्ध आश्रम में तीन दिवसीय ध्यान योग शिविर का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। छपका स्थित वृद्ध आश्रम में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की पहल पर हार्टफुलनेस



ऑर्गनाइजेशन की सोनभद्र हार्टफुलनेस टीम द्वारा तीन दिवसीय ध्यान योग शिविर का आयोजन किया गया। हार्टफुलनेस वॉलिंटियर्स डॉक्टर वैभव शर्मा, आचार्य नीलेश शर्मा, जगदीश बाबू, श्वेता वर्मा, सविता देवी एवं कंचन लता द्वारा प्रतिभागियों के लिए सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की गई। हार्टफुलनेस डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर एवं ट्रेनर गोपाल द्वारा प्रतिभागियों को बताया गया कि हम अपने हृदय पर ध्यान करके हर पल सजग एवं जागरूक रह सकते हैं हर पल सतर्क रहना हमारा परम धर्म है। श्रीमद भागवत गीता के श्लोक 61 अध्याय 18 और श्लोक 15 अध्याय 15 में भगवान श्री कृष्ण ने अपना लोकेशन साझा करते हुए कहा है कि मैं हर एक प्राणी के हृदय में निवास करता हूं। हम ईश्वर को अंतर्यामी भी कहते हैं अर्थात जो हमारे अंदर विराजमान है। जब स्वयं भगवान अपना लोकेशन हमें स्पष्ट रूप से बता रहे हैं तो हम उन्हें वहीं खोजें वही अनुभव करें। हम महाभारत के एक प्रसंग में यक्ष द्वारा जब धर्मराज युधिष्ठिर से प्रश्न किया जाता है कि धर्म क्या है तो इसके उत्तर में युधिष्ठिर ने कहा कि अप्रमाद । अप्रमाद का अर्थ होता है सावधानी, सतर्कता, या जागरूकता। सरल शब्दों में कहें तो, अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह सजग रहना और कोई लापरवाही न करना ही अप्रमाद है। शिविर के दूसरे सत्र में प्रतिभागियों को आंतरिक शुद्धिकरण या नवीनीकरण की प्रक्रिया सिखाई गई और अंतिम सत्र में प्रतिभागियों को अपने आंतरिक स्व से हार्टफुलनेस प्रार्थना के माध्यम से जुड़ना सिखाया गया । कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के संबंध में अपना अनुभव साझा किया और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस लोक में मनुष्यों के दो प्रकार के स्वभाव होते हैं दैवीय व आसुरीः अरुण चौबे

स्वामी अड़गड़ानंद जी द्वारा रचित गीता भाष्य यथार्थ गीता पर हुई परिचर्चा,धनावल गांव स्थित शांति प्रेम कुटीर में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। घोरावल तहसील क्षेत्र



के धनावल गांव स्थित शान्ति - प्रेम कुटीर में गुरुवार को परमहंस स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज द्वारा रचित गीता भाष्य 'यथार्थ गीता' पर परिचर्चा हुई। चर्चा में गीता की पंक्तियों को उद्धत करते हुए कहा गया कि इस लोक में मनुष्यों के स्वभाव दो प्रकार के हैं। देवों के जैसा और असुरों के जैसा। परिचर्चा आरंभ करते हुए स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज के भक्त एवं गीता जयंती समारोह सोनभद्र के स्वागत सचिव अरुण चौबे ने कहा कि जब हृदय में दैवी सम्पद कार्यरुप ले लेती है तो मनुष्य ही देवता है और जब आसुरी सम्पद का बाहुल्य हो तो मनुष्य ही असुर हैं। सृष्टि में ये दो ही जातियां हैं। वह चाहे अरब में पैदा हुआ है, चाहे आस्ट्रेलिया में, कहीं भी पैदा हुआ हो, बशर्ते हैं इन दो में से ही। उन्होंने कहा कि गीता के अनुसार अनेकचित्तविभ्रान्ता मोहजालसमावृताः। अनेक प्रकार से भ्रमित हुए चित वाले , मोह-जाल में फंसे हुए, विषय भोगों में अत्यंत आसक्त वे आसुरी स्वभाव वाले मनुष्य अपवित्र नरक में गिरते हैं। विकास चौबे ने परिचर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि गीता के अनुसार काम, क्रोध और लोभ ये तीन प्रकार के नरक के मूल द्वार हैं। ये आत्मा का नाश करने वाले, उसे अधोगति में ले जाने वाले हैं। अतः इन तीनों को त्याग देना चाहिए। इन्हीं तीनों पर आसुरी सम्पद टिकी हुई है। इन तीनों को त्याग देने पर ही उस कर्म अर्थात नियत कर्म का आरंभ होता है। यही परम कल्याण का माध्यम है। परिचर्चा में लल्लू यादव, बच्चा आदि ने भी भाग लिया।

वृद्धाश्रम में तीन दिवसिय ध्यान योग शिविर का आयोजन,हार्टफुलनेस टीम ने प्रतिभागियों को ध्यान और प्रार्थना की प्रक्रिया सिखाई

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज ब्लॉक के छपका स्थित वृद्धाश्रम में हार्टफुलनेस ऑर्गनाइजेशन की सोनभद्र टीम ने तीन दिवसीय ध्यान योग शिविर लगाया। यह शिविर केंद्र और राज्य सरकार की पहल पर आयोजित किया गया। हार्टफुलनेस वॉलंटियर डॉक्टर वैभव शर्मा, आचार्य नीलेश शर्मा, जगदीश बाबू, श्वेता वर्मा, सविता देवी और कंचन लता ने प्रतिभागियों के लिए हल्के जलपान की व्यवस्था की। हार्टफुलनेस के जिला समन्वयक और ट्रेनर गोपाल ने कहा कि हृदय पर ध्यान करके हर पल सजग और जागरूक रहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सतर्क रहना हमारा कर्तव्य है। गोपाल ने श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 18 के श्लोक 61 और अध्याय 15 के श्लोक 15 का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि भगवान



श्रीकृष्ण ने कहा है कि वे हर प्राणी के हृदय में निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर को अंतर्यामी भी कहा जाता है, यानी जो हमारे भीतर विराजमान हैं। इसलिए उन्हें अपने भीतर खोजने और अनुभव करने की बात कही। गोपाल ने महाभारत के एक प्रसंग का भी जिक्र किया। इसमें यक्ष ने धर्मराज युधिष्ठिर से पूछा था कि धर्म क्या है। युधिष्ठिर ने जवाब में 'अप्रमाद' कहा था। इसका अर्थ सावधानी, सतर्कता और जागरूकता है। अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहना और लापरवाही न करना ही अप्रमाद है। शिविर के दूसरे सत्र में प्रतिभागियों को आंतरिक शुद्धिकरण या नवीनीकरण की प्रक्रिया सिखाई गई। अंतिम सत्र में हार्टफुलनेस प्रार्थना के जरिए अपने आंतरिक स्व से जुड़ने का तरीका बताया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। धन्यवाद प्रस्ताव के साथ शिविर का समापन हुआ।

सोनभद्र में 53 नंबर बाल संरक्षण इकाई में कर्मचारी नदारद, सीडीओ ने रोका एक दिन का वेतन और स्टेनो भेजकर कराई जांच

रजिस्टर पर अग्रिम हस्ताक्षर कर ड्यूटी से गायब रहने का मामला,हस्ताक्षरयुक्त रजिस्टर तलब

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले की 53 नंबर बाल संरक्षण इकाई में कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर लापरवाही का मामला सामने आया है। कार्यालय में कर्मचारी अनुपस्थित पाए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित कर्मचारी का एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया है।जानकारी के अनुसार, कार्यालय में कर्मचारी के अनुपस्थित रहने और उपस्थिति रजिस्टर पर पहले से ही अग्रिम हस्ताक्षर किए जाने की शिकायत मिली थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीडीओ ने अपने स्टेनो को मौके पर भेजकर कार्यालय की स्थिति का जायजा लेने को कहा। जांच के दौरान शिकायत सही पाई गई। इस पर सीडीओ ने संबंधित कर्मचारी का एक दिन का वेतन रोकने की कार्रवाई की। साथ ही उपस्थिति रजिस्टर को भी तलब किया है, ताकि अग्रिम हस्ताक्षर कर अनुपस्थित रहने के मामले की पूरी जांच की जा सके। इस कार्रवाई के बाद संबंधित कार्यालय के कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता एवं सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित हुई नक्सल समन्वय गोष्ठी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरूवार को अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन,



सोनभद्र के निर्देशन में रणधीर कुमार मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक (नगर), सोनभद्र की अध्यक्षता में पुलिस लाइन चुर्क में नक्सल समन्वय गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जनपद सोनभद्र के पुलिस एवं अन्य विभागों के अधिकारियों तथा सीमावर्ती जनपद मीरजापुर एवं चन्दौली से आए अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस दौरान नक्सली संचरण की आशंका के दृष्टिगत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, आपसी समन्वय स्थापित कर नियमित रूप से कॉम्बिंग एवं एरिया डोमिनेशन अभियान चलाने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने के संबंध में चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका यथासंभव निराकरण कराने, ग्रामीणों से निरंतर संवाद स्थापित करने, उन्हें किसी के बहकावे में न आने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन को देने हेतु जागरूक करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। गोष्ठी में डिप्टी सीएमओ सोनभद्र डॉ. सुमन कुमार जायसवाल, श्री महेन्द्र प्रताप यादव प्रभारी निरीक्षक स्थानीय अभिसूचना इकाई सोनभद्र, श्री मतीन अहमद विशेष अभिसूचना अधिकारी मीरजापुर तथा जनपद के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है



नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स



क्रिकेटर अर्शदीप-मॉडल समरीन की लव स्टोरी,सोशल मीडिया पर मिले, आईपीएल मैच में साथ दिखे

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने मॉडल समरीन कौर के साथ सगाई कर ली। उन्होंने न्यूजीलैंड में समरीन कौर को अंगूठी पहनाई। समरीन ने इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, जिसमें अर्शदीप झील किनारे बने लकड़ी के डेक पर उन्हें घुटनों पर बैठकर प्रपोज करते दिखे।अब ऐसे में सवाल है कि दोनों की लव स्टोरी शुरू कैसे हुई? दरअसल, दोनों सोशल मीडिया पर मिले थे। इसके बाद नजदीकियां बढ़ीं। इसी साल मोहाली के पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में हुए आईपीएल मैच के दौरान पहली बार अर्शदीप और समरीन साथ दिखे थे। इसके बाद कई बार उन दोनों की फोटो सामने आईं और उन्होंने एक-दूसरे के लिए टैटू भी बनवाए। वहीं, इन्हीं आईपीएल मैचों के दौरान गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाना, गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब में जाकर मन्नतें भी मांगीं। अर्शदीप और समरीन के अफेयर का पता कैसे चला:-अर्शदीप की स्नैपचैट स्टोरी-अप्रैल 2026 की शुरुआत में अर्शदीप ने स्नैपचैट पर एक लड़की के साथ हाथ पकड़े हुए तस्वीर शेयर की। इससे पता चला कि अर्शदीप किसी लड़की से रिलेशन में हैं। हालांकि तस्वीर में लड़की का चेहरा नहीं दिख रहा था। इसी तस्वीर ने लोगों के मन में सवाल खड़ा किया कि आखिर यह लड़की कौन है? नेल डिजाइन-टैटू से पहचानी गई समरीनः-अर्शदीप की इस फोटो में फैंस ने युवती के नाखूनों के डिजाइन और टैटू को नोटिस किया। इसके बाद उन्होंने युवती की तलाश शुरू कर दी। फैंस ने तलाशा तो मॉडल समरीन कौर के नाखूनों के रंग और नेल आर्ट समरीन से मिले। इसके अलावा युवती के हाथ में दिख रहा टैटू भी समरीन के हाथ में नजर आया। इससे फैंस ने कहना शुरू कर दिया कि अर्शदीप ने जिस युवती की फोटो शेयर की, वह मॉडल समरीन कौर ही हैं। पंजाब किंग्स के मैचों में समरीन की मौजूदगीः-



आईपीएल 2026 के दौरान समरीन कौर को पंजाब किंग्स के कई मैचों में देखा गया। चूंकि अर्शदीप भी पंजाब किंग्स की टीम का हिस्सा थे, इसलिए फैंस ने दोनों की मौजूदगी को जोड़कर देखना शुरू किया। इससे कन्फर्म होने लगा कि दोनों रिलेशनशिप में हैं। एयरपोर्ट-धर्मशाला में साथ-साथ दिखे:- इसके बाद समरीन एयरपोर्ट पर अर्शदीप के साथ नजर आई। इससे दोनों के बीच के रिश्ते को लेकर अटकलें बढ़ गईं। फिर वह धर्मशाला में मैच के दौरान हाथों में हाथ डालकर घूमते नजर आए। अर्शदीप ने खुद रिश्ते पर मुहर लगाईः-27 जुलाई 2026 को अर्शदीप ने इंस्टाग्राम पर समरीन के साथ अपनी तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों के साथ उन्होंने 'माय पर्सन' लिखा। इस पोस्ट के बाद दोनों का रिश्ता सार्वजनिक रूप से पता चल गया। 11 नवंबर 2026 को अर्शदीप और समरीन ने इंस्टाग्राम पर अपनी सगाई की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि वे एक-दूसरे के साथ पूरी जिंदगी बिताने के लिए खुश हैं। मॉडल समरीन कौर कौन,जिनसे अर्शदीप ने सगाई कीः-मिस इंडिया फाइनलिस्ट, चंडीगढ़ से एमबीए, मॉडलिंग से पहचान-समरीन कौर का जन्म 7 सितंबर 1999 को जम्मू-कश्मीर में हुआ। उन्होंने पुणे के सिम्बायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स से बीकॉम (ऑनर्स) की पढ़ाई की। इसके बाद चंडीगढ़ से एमबीए भी किया। कॉलेज के दिनों में ही उन्होंने मॉडलिंग शुरू की। साल 2018 में वह फेमिना मिस इंडिया जम्मू-कश्मीर की फाइनलिस्ट बनीं। इसी के बाद उन्हें फैशन शूट, विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो के ऑफर मिलने शुरू हुए। आज वह पंजाबी और हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री का जाना-पहचाना चेहरा हैं। मां प्रोफेसर, पिता बिजनेसमैनः-समरीन के परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई संबंध नहीं है। उनकी मां सरकारी कॉलेज में प्रोफेसर हैं, जबकि पिता भूपेश सैनी एजुकेशनल सप्लाई कारोबार से जुड़े बिजनेसमैन हैं।उनका एक छोटा भाई राजबीर भी है। हालांकि उनके परिवार के बारे में सार्वजनिक तौर पर बहुत ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। फिल्मों और वेब सीरीज में भी किया कामः मॉडलिंग के बाद समरीन ने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा। वह दिलजीत दोसांझ की पंजाबी फिल्म 'सरदार जी-2' में शाइनी के किरदार में नजर आईं। इसके अलावा रणवीर सिंह स्टारर फिल्म '83' में सिमरन की भूमिका निभाई। ज़ी5 की वेब सीरीज 'नेल पॉलिश' में भी उन्होंने एक्टिंग की। हालांकि, उनकी सबसे बड़ी पहचान फिल्मों से ज्यादा म्यूजिक वीडियो और मॉडलिंग की वजह से बनी। 4.5मिलियन फॉलोअर्स, फैशन-लाइफस्टाइल कंटेंट से लोकप्रियः-समरीन सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैं। इंस्टाग्राम पर उनके करीब 50 लाख (5 मिलियन) फॉलोअर्स हैं। वह फैशन, ट्रैवल, फिटनेस और लाइफस्टाइल से जुड़ा कंटेंट शेयर करती रहती हैं।



बांग्लादेश के मुस्तफिजुर ने आईपीएल ऑक्शन में रजिस्ट्रेशन कराया,केकेआर टीम ने पिछले साल निकाला था

स्पोर्ट डेस्क। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने आईपीएल-2027 के मिनी ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी शहरयार नफीस ने इसकी पुष्टि की है। मुस्तफिजुर को पिछले सीजन शाहरुख खान की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। वे आईपीएल के सबसे महंगे बांग्लादेशी खिलाड़ी बने थे। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के बीच उनके ध्स्थ में खेलने को लेकर विरोध शुरू हो गया था। इसके बाद बीसीसीआई के निर्देश पर केकेआर ने उन्हें टीम से रिलीज कर दिया। विवाद तब और बढ़ा जब बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 खेलने से मना कर दिया। टीम ने कहा कि उसके सभी मैच श्रीलंका में कराए जाए, लेकिन आईसीसी ने इस अपील को रिजेक्ट कर दिया। उसकी जगह स्कॉटलैंड टूर्नामेंट खेली थी। बांग्लादेश के 6 और खिलाड़ी ऑक्शन में उतरेंगेः- शहरयार नफीस ने बताया कि मुस्तफिजुर के अलावा नाहिद राणा, रिशाद हुसैन, हसन महमूद, तौहीद हृदोय, तस्कीन अहमद और शोरिफुल इस्लाम ने भी ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। नफीस ने कहा कि यह मिनी ऑक्शन की सामान्य प्रक्रिया है। बीसीसीआई ने सभी क्रिकेट बोर्ड से उन खिलाड़ियों के नाम मांगे हैं, जो नीलामी में हिस्सा लेना चाहते हैं। जनवरी 2027 में भारत के बांग्लादेश दौरे की उम्मीदः- बीसीबी को उम्मीद है कि भारत का प्रस्तावित बांग्लादेश दौरा जनवरी 2027 में हो सकता है। यह दौरा पहले अगस्त 2025 में होना था, लेकिन इसे टाल दिया गया था।



प्रस्तावित दौरे में 3 वनडे और 3 टी-20 मैच खेले जाने हैं। हालांकि, इसका नया शेड्यूल अभी आधिकारिक तौर पर घोषित नहीं हुआ है। बीसीबी के मुताबिक, दौरा दोनों बोर्ड की सहमति से री-शेड्यूल किया गया है। भारत ने आखिरी बार दिसंबर 2022 में बांग्लादेश का दौरा किया था। तब बांग्लादेश ने वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, जबकि भारत ने टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम की थी।

अफगानिस्तान ने भारत को दिया 228 रन का टारगेट,ईशान सूद को 3 विकेट,अंडर-19 एशिया कप सेमीफाइनल में नोमान-फैसल की फिफ्टी

स्पोर्ट डेस्क। अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान ने भारत को 228 रन का टारगेट दिया है। अल अमीरत में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 227 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से नुमान सालारजई और शाह फैसल रहीमी ने 51-51 रन की पारियां खेलीं। भारत के लिए ईशान सूद ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए, जबकि आर्यन सावसानी ने 2 विकेट हासिल किए। अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 51 रन तक 2 विकेट गंवा दिए थे। सुब्हान जखाइल भी 31 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद नुमान सालारजई और शाह फैसल रहीमी ने चौथे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। नुमान ने 78 गेंदों पर 51 रन बनाए, जबकि शाह फैसल ने 72 गेंदों पर 51 रन की पारी खेली। कप्तान सोहेल खान 36 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के 5 गेंदबाजों को सफलताः- भारत की ओर से ईशान सूद सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 9 ओवर में 43 रन देकर 3 विकेट लिए। आर्यन सावसानी ने 29 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। काव्या पटेल, यशवर्धन चौहान और अर्जुन राजपूत को 1-1 विकेट मिला। भारत को फाइनल में जगह बनाने के लिए 228 रन बनाने होंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारीः- दोनों टीमों के बीच अब तक 13 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत ने 11 और अफगानिस्तान ने 2 मैच जीते हैं। इस बार भी भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है। देकर 6 विकेट उनका बेस्ट प्रदर्शन है। दोनों टीमों की प्लेइंग-11-भारतः लक्ष्य राजेश रायचंदानी (कप्तान), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीथ, यशवर्धन चौहान, अर्जुन राजपूत, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), मानल चौहान, आर्यन सावसानी, काव्य पटेल, मोहित उल्वा, ईशान सूद। अफगानिस्तानः आबिदुल्लाह नादरजान, फरीदुल्लाह एहसास, सुभान जखैल, नोमान सालरजई (विकेटकीपर), शाह फैसल रहीमी, आमिर हमजा, ताहिर सरवरी, सोहेल खान (कप्तान), मोहम्मद अली, नूर अली नियाजी, बिलाल सलीमखिल।



सुबह या शाम, कब नहाना बेहतर,क्या रोज नहाना जरूरी है,डॉक्टर से समझें बेदिंग साइंस, नहाते हुए न करें ये 7 गलतियां

नयी दिल्ली। नहाना हमारी दिनचर्या का अहम हिस्सा है। कुछ लोग सुबह नहाकर ताजगी और ऊर्जा के साथ दिन की शुरुआत करना पसंद करते हैं। कुछ लोग दिनभर की थकान, पसीने और तनाव से राहत पाने के लिए शाम को नहाते हैं। साल 2019 में 'स्लीप मेडिसिन रिव्यूज' में एक सिस्टमैटिक रिव्यू और मेटा-एनालिसिस पब्लिश हुआ। इसके मुताबिक, सोने से 1-2 घंटे पहले गुनगुने पानी से नहाने से स्लीप क्वालिटी बेहतर हो सकती है। वहीं, सुबह नहाने से ताजगी महसूस होती है। ऐसे में सवाल है कि सेहत के लिहाज से सुबह या शाम, किस समय नहाना बेहतर है? 'जरूरत की खबर' में आज नहाने के समय पर विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- नहाने का अच्छी सेहत से क्या कनेक्शन है? सुबह और शाम में नहाने के क्या फायदे हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. बॉबी दीवान, सीनियर फिजिशियन, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम सर। सवाल- नहाने का अच्छी सेहत से क्या कनेक्शन है? जवाब- नहाना सिर्फ शरीर की खानपान, पर्याप्त नींद और नियमित एक्सरसाइज भी जरूरी है। सवाल- क्या रोज नहाना जरूरी है? जवाब- यह मौसम, फिजिकल एक्टिविटी, पसीने और स्किन टाइप पर निर्भर करता है। गर्मी में ज्यादा पसीना आने या एक्सरसाइज करने पर रोज नहाना बेहतर है। ठंडे मौसम में कम पसीना आने पर नहाने की जरूरत अलग हो सकती है। हालांकि, शरीर के उन हिस्सों की नियमित सफाई जरूरी है, जहां पसीना और गंदगी ज्यादा जमा होती हैं। सवाल- सुबह नहाना बेहतर है या शाम को? जवाब- एक्सपर्ट्स किसी एक समय को सभी के लिए बेहतर नहीं मानते। यह व्यक्ति की दिनचर्या, मौसम, काम और स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। इसलिए नहाने का समय अपनी जरूरत और सुविधा के अनुसार तय किया जा सकता है। नहाने का कोई एक 'फिक्स' टाइम सभी पर लागू नहीं होता। सुबह या शाम, दोनों समय नहाने के अपने फायदे हैं। इसलिए अपनी दिनचर्या, मौसम, जरूरत और सेहत के मुताबिक नहाने की आदत डालें। हाइजीन का ध्यान मौसम और अपनी सहनशीलता के अनुसार चुनें। सवाल- डॉक्टर और एक्सपर्ट किस समय नहाने की सलाह देते हैं? जवाब- नहाने का समय व्यक्ति की दिनचर्या, काम और जरूरतों पर निर्भर करता है। डॉक्टर सभी लोगों के लिए किसी एक समय नहाने की सलाह नहीं देते, जैसेकि- दिन की शुरुआत ताजगी के साथ करना चाहते हैं तो सुबह नहा सकते हैं। दिनभर धूल, पसीने और प्रदूषण के संपर्क में रहते हैं तो शाम को नहाना बेहतर है। सवाल- सुबह नहाने से शरीर को क्या फायदे होते हैं? जवाब- सुबह नहाने से ताजगी महसूस होती है और सुस्ती कम होती है। सुबह-सुबह नहाने के फायदे:-गंदगी, पसीना साफ होता है। त्वचा के रोम खुलते हैं। नींद, सुस्ती दूर होती है। मन तरोताजा होता है। दिनभर एनर्जेटिक रहते हैं। फोकस बेहतर होता है। गर्मी में ठंडक मिलती है। दिनचर्या नियमित होती है। सवाल- सुबह ठंडे पानी से नहाने के क्या फायदे हैं? जवाब- सुबह ठंडे पानी से नहाने पर ताजगी महसूस होती है। नींद और सुस्ती दूर होती है। गर्मी में इससे ठंडक मिलती है और अलर्टनेस बढ़ती है। हालांकि, बहुत ठंडे पानी से नहाना हर किसी के लिए सही नहीं है। खासकर हार्ट डिजीज वाले लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। सवाल- क्या सुबह नहाने से स्किन ज्यादा ड्राई हो सकती है? जवाब- आमतौर पर नहीं, लेकिन गर्म पानी से नहाने, लंबे समय तक शॉवर लेने या ज्यादा साबून के इस्तेमाल से स्किन का नेचुरल मॉइस्चर कम हो सकता है। इससे स्किन ड्राई हो सकती है। इसलिए अगर स्किन पहले से ड्राई है तो नहाने के बाद मॉइस्चराइजर लगाएं। सवाल- शाम को नहाने से क्या फायदे होते हैं? जवाब- इससे दिनभर शरीर पर जमा पसीना, धूल-मिट्टी और प्रदूषण के कण साफ होते हैं। शाम को नहाने के फायदे:- धूल-मिट्टी, पसीना साफ होता है। दिनभर की थकान दूर होती है। बॉडी मसल्स रिलैक्स होती हैं। बॉडी का स्ट्रेस कम होता है। रात में अच्छी नींद आती है। सवाल- किन लोगों के लिए सुबह नहाना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है? जवाब- जो लोग सुबह जल्दी उठते हैं, ऑफिस या स्कूल जाते हैं, उनके लिए सुबह नहाना बेहतर है। सवाल- किन लोगों के लिए शाम को नहाना बेहतर विकल्प है? जवाब- जो लोग दिनभर बाहर रहते हैं, ज्यादा हार्ड वर्क करते हैं या धूल-प्रदूषण के संपर्क में रहते हैं, उनके लिए शाम को नहाना बेहतर है। सवाल- क्या बार-बार नहाने से स्किन को नुकसान होता है? जवाब- हां, ज्यादा नहाने से स्किन का मॉइश्चर कम हो सकता है। इससे ड्राईनेस और जलन की समस्या हो सकती है। सवाल- क्या मौसम बदलने पर नहाने की आदत भी बदलनी चाहिए? जवाब- हां, मौसम के अनुसार नहाने का समय और पानी का तापमान बदलना बेहतर है। सवाल- गर्मियों में नहाने का सबसे अच्छा समय क्या है? जवाब- गर्मियों में सुबह नहाना बेहतर माना जाता है। अगर दिनभर ज्यादा पसीना आए या बाहर से लौटने पर शरीर चिपचिपा महसूस हो, तो शाम को भी नहा सकते हैं। सवाल- किन लोगों को दिन में दो बार जरूर नहाना चाहिए? जवाब- जो लोग धूल-मिट्टी या प्रदूषित इलाके में काम करते हैं, उन्हें दिन में दो बार नहाना चाहिए। इन्हें दिन में 2 बार नहाना चाहिए? जो एथलीट हैं। जो रेगुलर जिम जाते हैं। जिन्हें ज्यादा पसीना आता है। जो फैक्ट्री में काम करते हैं। जो खुले में काम करते हैं।जो गर्म इलाकों में रहते हैं। नहाते हुए न करें ये गलतियां:- ज्यादा देर तक शॉवर न लें। ज्यादा गर्म पानी से न नहाएं। मॉइस्चराइजर लगाना न भूलें। गीले बाल न बांधें। बहुत ज्यादा साबुन न लगाएं। स्किन को जोर सेन रगड़ें। गीला तौलिया यूज न करें। नहाने से जुड़े कॉमन सवाल-जवाबः- सवाल- क्या रात में नहाने के बाद गीले बालों में सोना नुकसानदायक है? जवाब- हां, गीले बालों में सोने से बाल टूट सकते हैं, उलझ सकते हैं और स्कैल्प से जुड़ी कुछ समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बालों को अच्छी तरह सुखाकर ही सोना चाहिए। सवाल- क्या खाना खाने के तुरंत बाद नहाना सही है? जवाब- नहीं, खाना खाने के तुरंत बाद नहाने से बचना चाहिए। बेहतर है कि भोजन के बाद कुछ समय का अंतर रखकर नहाएं। सवाल- क्या एक्सरसाइज के तुरंत बाद नहाना सही है? जवाब- नहीं, कुछ मिनट रुकें। जब शरीर का तापमान और सांसें सामान्य हो जाएं, तब नहाएं। सवाल- क्या पसीना आने के तुरंत बाद ठंडे पानी से नहाना सही है? जवाब- नहीं, पसीना आने के तुरंत बाद ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए। पहले शरीर को कुछ मिनट सामान्य होने दें, फिर नहाएं। सवाल- क्या बुखार में नहाना चाहिए? जवाब- हां, नहा सकते हैं, लेकिन बहुत ठंडे या गर्म पानी से नहाने से बचें। सवाल- सर्दियों में नहाने का सबसे अच्छा समय क्या है? जवाब- धूप निकलने के बाद का समय बेहतर रहता है। सवाल- क्या सर्दियों में रोज नहाना जरूरी है? जवाब- यह व्यक्ति की जरूरत पर निर्भर करता है।

सवाल- क्या बच्चों को रोज नहलाना जरूरी है? जवाब- नहीं, छोटे बच्चों को हफ्ते में दो से तीन बार नहलाना पर्याप्त है। सवाल- बच्चों को किस समय नहलाना बेहतर होता है?

जवाब- बच्चों को दिन में ऐसे समय नहलाना चाहिए, जब मौसम शरीर के अनुकूल हो। सवाल- गर्भवती महिलाओं के लिए नहाने का सही समय क्या है?

जवाब- इसके लिए कोई तय समय नहीं है। वे अपनी सुविधा और दिनचर्या के अनुसार नहा सकती हैं। सवाल- क्या बीमार होने पर रोज नहाना चाहिए? जवाब- यह बीमारी और व्यक्ति की स्थिति पर निर्भर करता है। अगर तबीयत ठीक लगे तो नहा सकते हैं। सवाल- एक्जिमा या ड्राई स्किन वाले लोगों को कब नहाना चाहिए? जवाब- दिन में किसी भी समय नहा सकते हैं।





'पहचान' की राजनीति की सीमाएं अब सामने आ रही हैं

आंकड़ों के लिहाज से देखें तो मध्यावधि चुनावों में ट्रम्प को बड़ी हार मिली। ओबामा को भी 2010 के मध्यावधि चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। भले ही इन चुनावों में राष्ट्रपति का नाम बैलेट पर नहीं होता, लेकिन हर कोई जानता है कि मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति के कामकाज पर जनता की राय माने जाते हैं।2026 में ट्रम्प को मिली हार 2010 में ओबामा को मिली हार से इसलिए बड़ी है, क्योंकि उस समय डेमोक्रेट्स सीनेट में मामूली बहुमत बचाने में कामयाब रहे थे। ट्रम्प दोनों सदनों में हार गए। अब विधायिका उनके नियंत्रण से बाहर हो गई है। अमेरिका में चुनावी नक्शे को बदलने को लेकर लंबे समय से लड़ाई होती रही है, जिससे मौजूदा सत्ता में बैठे लोगों को फायदा मिले और चुनावी मुकाबला उनके पक्ष में झुक जाए। इसे 'जेरिमैंडरिंग' या चुनावी क्षेत्रों का नए सिरे से बंटवारा कहा जाता है। अमेरिका के कई राज्यों में हर दस साल में ऐसा करने की अनुमति है। अमेरिका की यह प्रथा हंगरी और हाल के दिनों में भारत तक भी पहुंची है। ट्रम्प ने कई राज्यों में दस साल की तय अवधि से पहले ही चुनावी क्षेत्रों का नए सिरे से बंटवारा कराने की कोशिश की। उनका सबसे ज्यादा जोर टेक्सस पर था। यह अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है और रिपब्लिकंस के नियंत्रण वाला सबसे बड़ा राज्य भी। ट्रम्प इस राज्य की विधानसभा से अपने पक्ष में पांच चुनावी क्षेत्र बनवाने में कामयाब रहे। लेकिन वे इनमें से केवल एक में ही जीत सके। कुछ दूसरे राज्यों में भी ऐसा ही हुआ। इससे सबक मिलता है कि चुनावी मुकाबले को अपने पक्ष में झुकाने की कोशिशों को भी हराया जा सकता है, बशर्ते विपक्षी पार्टियां लोगों का समर्थन जुटाएं। बड़े अंतर से मिली जीत 'जेरिमैंडरिंग' की काट बन सकती है। कुछ महीने पहले हंगरी ने भी यही संदेश दिया था। 'जेरिमैंडरिंग' के जरिए बनाए गए चुनावी क्षेत्रों में भी जीत हासिल की जा सकती है। दूसरी बात, अगर लोकतंत्र में सिर्फ चुनावों पर भरोसा किया जाए, तो उसके सत्ता में बैठे लोगों की मनमानी का जरिया बन जाने का खतरा रहता है। ट्रम्प पर अब तक अगर कोई रोक लगी थी, तो वह न्यायपालिका की ओर से थी। खासकर निचली संघीय अदालतों ने उनके फैसलों पर रोक लगाई थी। विधायिका की ओर से कोई रोक नहीं थी, क्योंकि कांग्रेस के दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी का नियंत्रण था। अब अमेरिकी राजनीति का पुराना सिद्धांत 'विभाजित सत्ता के साथ शासन' फिर से लौट रहा है। राष्ट्रपति के पास विधायिका से पारित विधेयकों पर वीटो लगाने का अधिकार है। लेकिन व्यावहारिक तौर पर हर विधेयक पर वीटो लगाना संभव नहीं है। अब विधायिका की जवाबदेही फिर से शुरू होगी। सरकार और विधायिका में गंभीर टकराव भी देखने को मिल सकते हैं। तीसरी बात, पहचान की राजनीति को बड़ा झटका लगा है। ट्रम्प की राजनीति की सबसे बड़ी ताकत श्वेत बहुसंख्यकवाद था। इसे हिस्पैनिक समुदाय का भी काफी समर्थन प्राप्त था। अश्वेत अमेरिकियों के साथ हिस्पैनिक सभी अहम समूहों में डेमोक्रेट्स की ओर वापसी दिखी है। कुछ में यह कम है, तो कुछ में ज्यादा। क्या लोगों की पहचान उनके हितों से ज्यादा मायने रखती है? राजनीतिक विश्लेषण में हमेशा इस सवाल पर बहस होती रही है। इसका कोई एक जवाब हर समय और हर जगह लागू नहीं होता। जवाब हालात के हिसाब से बदलते हैं। ट्रम्प पहचान की राजनीति में माहिर थे, लेकिन रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़े मुद्दों के सामने उनकी यह राजनीति कमजोर पड़ गई। राजनीतिक सिद्धांतकार हन्ना पिटकिन अपनी 'वर्णनात्मक प्रतिनिधित्व' की अवधारणा के लिए जानी गई हैं। इससे उनका मतलब था कि चुनी हुई संस्थाएं आबादी की कुछ अहम पहचानों- जैसे जातीय और सामाजिक समूहों के आधार पर उसका कितना प्रतिनिधित्व करती हैं। भारत में इस शब्द का मतलब जाति, धर्म और भाषा से रहा है। अमेरिका में इसका मतलब नस्ल, जातीय पहचान और जेंडर से रहा है। ट्रम्प पहचान की राजनीति में माहिर थे, लेकिन रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़े मुद्दों के सामने उनकी यह राजनीति कमजोर पड़ गई। हिस्पैनिक बड़ी संख्या में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर लौट आए हैं। दरअसल, वोटरों के सभी अहम समूहों में डेमोक्रेट्स की ओर वापसी दिखी है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,आशुतोष वार्ष्णेय)





पंक्चर वाले की तरह हमारे पास रोबोटिक्स मैकेनिक भी हो सकते हैं

'देशभर में पंक्चर बनाने वाले जब चंद मिनटों में कोई भी टायर ठीक कर देते हैं तो हमारे पास रोबोट-रिपेयर वाले क्यों नहीं हो सकते, जो रोबोट रिपेयर कर यह सुनिश्चित कर सकें कि इंडस्ट्री में प्रोडक्शन न रुके?' ऑल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एआईए), मंडीदीप के अध्यक्ष डॉ. राजीव अग्रवाल ने भोपाल में स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए यह सवाल उठाया। डाइस पर बैठे हुए मैंने पूछा, 'कैसे?' वे मेरी ओर मुड़कर बोले कि 'जैसे गैस स्टोव या सिलाई मशीन ठीक करने वाले मैकेनिक होते हैं। वे इन्हें बनाते नहीं, बल्कि रिपेयर करते हैं।' अग्रवाल ने बताया कि एआईए मेंबर्स अपनी प्रोडक्शन लाइनों में दर्जन भर से ज्यादा रोबोट इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन चुनौती तब आती है, जब कोई पुर्जा टूटने या रोबोट खराब होने पर उन्हें फ्रांस या चीन से एक्सपर्ट के आने का इंतजार करना पड़ता है। तो क्यों न स्थानीय लोगों को खराबी पहचानने और रिपेयरिंग की ट्रेनिंग दी जाए? उनका सुझाव उन जरूरी स्किल्स को विकसित करने का था, जिनकी भारत को तकनीक के फैलाव के साथ जरूरत पड़ेगी। उनकी बात सुनकर मुझे संजीत 'बंकर' रॉय की याद आई, जिनका इसी मंगलवार 81 साल की उम्र में निधन हो गया। रॉय ने पांच दशक से ज्यादा समय यह बताने में खपाया कि गरीबी का मतलब टैलेंट की कमी और फॉर्मल एजुकेशन का अभाव इंटेलिजेंस की कमी नहीं होती। वे चाहते थे कि ग्रामीण समस्याओं के समाधान के लिए शहरों की ओर देखना छोड़ें और खुद उन्हें हल करना सीखें। राजस्थान में अजमेर से करीब 30 किमी दूर तिलोनिया स्थित उनका बेयरफुट कॉलेज इसी सोच की मिसाल बना। रॉय ने गांवों के प्रैक्टिकल नॉलेज को पहचाना और लोगों में अपनी स्किल्स से कम्युनिटी की मदद करने का भरोसा जगाया। उनकी सबसे उल्लेखनीय पहलों में एक थी 2000 में लॉन्च हुई 'सोलर मामाज'।इसने इस धारणा को चुनौती दी कि आधुनिक तकनीक सिर्फ पढ़े-लिखे पुरुषों का काम है। दादी-नानी की उम्र की कई महिलाएं, जिनकी औपचारिक स्कूलिंग बहुत कम या कतई नहीं थी, छह महीने की ट्रेनिंग के लिए तिलोनिया आईं। किताबों के बजाय उन्होंने कलर-कोडेड डायग्राम्स, डेमोंस्ट्रेशन और प्रैक्टिकल एक्सरसाइज के जरिए सोलर लाइटिंग सिस्टम को असेंबल, इन्स्टॉल और रिपेयर करना सीखा। वे सोलर इंजीनियर बनकर घर लौटीं और घरों में बिजली पहुंचाने, सूर्यास्त के बाद बच्चों की पढ़ाई में मदद करने और उपकरणों की मरम्मत में सक्षम थीं। लीला देवी ऐसी ही ट्रेनी थीं। तीसरी के बाद पढ़ाई छोड़ने वाली लीला ने सोलर टेक्नोलॉजी सीखी और 96 देशों की महिलाओं को ट्रेनिंग दी। उनकी यात्रा उस बदलाव की मिसाल है, जिसे रॉय संभव मानते थे। इसी सोच ने दूसरे प्रोग्राम्स को भी आकार दिया, जैसे हैंडपंप मैकेनिक, हेल्थ-वर्कर्स, मिडवाइव्स और टीचर। शायद यही सबसे बड़ा सबक है, जो ग्रामीण भारत उनके जीवन से सीख सकता है। रॉय ने गांव वालों से सरकारी नौकरी, शहर जैसी सेलरी या ग्रामीण जीवन से छुटकारे का वादा नहीं किया। बल्कि इससे अधिक मूल्यवान चीज दी- अपनी जगह पर ही जिंदगी बेहतर बनाने की क्षमता। सोलर पैनल सुधार सकने वाली महिला को जयपुर से इलेक्ट्रीशियन के आने का इंतजार नहीं करना पड़ता। जिस गांव में हैंडपंप मैकेनिक था, उसे अजमेर के टेक्नीशियन का इंतजार नहीं करना पड़ता था। रॉय भले ही तिलोनिया छोड़ गए, लेकिन उनका जगाया भरोसा भारत के हर गांव तक पहुंच सकता है। डॉ. राजीव अग्रवाल द्वारा रोबोटिक मैकेनिक की पंक्चर वाले से तुलना को मैं रॉय के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि मानता हूं, क्योंकि यह बात भारत की फ्यूचर इंडस्ट्रियल वर्कफोर्स के लिहाज से प्रासंगिक है। उन्होंने ग्रामीण स्टूडेंट्स से कहा कि वे शहरी स्टूडेंट्स से कम सक्षम नहीं हैं।

बस विश्वविद्यालयों को इस पर ध्यान चाहिए। उन्हें ऐसा करिकुलम बनाने की जरूरत है, जिसमें मशीनों को सिर्फ सिद्धांतों से नहीं, बल्कि कलर-कोडेड डायग्राम्स के जरिए भी सिखाया जा सके और जिन्हें कोई भी समझ सके।

फंडा यह है कि किसी गांव को समृद्ध होने के लिए शहर बनना जरूरी नहीं है। उसे बस अपने लोगों की ताकत पहचाननी है। उसे ऐसे चंद लोग चाहिए, जो खुली आंखों से सपने देखते हों। एन. रघुरामन



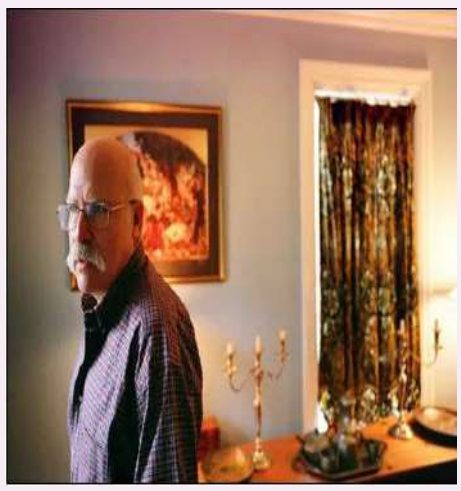
दुनिया न्यूक्लियर एनर्जी की ओर बढ़ रही है, हम पीछे नहीं रह सकते

कई बार कोई अनुभव, घटना या सुनी हुई बात इतनी गहराई से हमारे मानस में बैठ जाती है कि हम उसे तथ्य की कसौटी पर परखने के बजाय सत्य मानने लगते हैं। हवाई यात्रा इसका एक छोटा-सा उदाहरण है। सड़क दुर्घटनाओं में कहीं अधिक लोगों की मृत्यु होती है, फिर भी अनेक लोगों को हवाई जहाज में बैठने से ज्यादा भय लगता है। इसका कारण जोखिम की वास्तविक मात्रा से अधिक उसके प्रति हमारी मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया है। परमाणु ऊर्जा के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। चेर्नोबिल और फुकुशिमा जैसी दुर्घटनाओं ने सामूहिक स्मृति में गहरी छाप छोड़ी है। लेकिन ऊर्जा के भविष्य का निर्णय हमारी आशंकाओं नहीं, वैज्ञानिक प्रमाणों, आर्थिक विवेक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व से होना चाहिए। परमाणु ऊर्जा के प्रति चिंताएं व्यक्त की जाती हैं। विकिरण, रेडियोधर्मी अपशिष्ट, संयंत्रों की सुरक्षा और दुर्घटना की स्थिति में व्यापक प्रभाव वास्तविक चिंताएं हैं। लेकिन अवर वर्ल्ड इन डेटा के संकलित अनुमानों के अनुसार प्रति टेरावाट-घंटा बिजली उत्पादन पर दुर्घटनाओं और वायु प्रदूषण से जुड़ी मृत्यु दर कोयले के लिए लगभग 24.62, प्राकृतिक गैस के लिए 2.82 और परमाणु ऊर्जा के लिए 0.03 ही है। यानी अन्य प्रकार की ऊर्जा के यह 800वें से 100वें हिस्से से भी कम है। ये अनुमान एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखते हैं : जीवाश्म ईंधनों से होने वाला सामान्य वायु प्रदूषण भी मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा है। हां, परमाणु ऊर्जा भी जोखिममुक्त नहीं है, पर जोखिम का मूल्यांकन प्रति इकाई ऊर्जा के समग्र प्रभाव से होना चाहिए। ऊर्जा संबंधी बहस का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जलवायु परिवर्तन है। कोयला आधारित बिजली उत्पादन में कार्बन डाइऑक्साइड के साथ-साथ सूक्ष्म कणों और अन्य प्रदूषकों का उत्सर्जन होता है। इसके विपरीत, परमाणु संयंत्र बिजली बनाते समय कोयले या गैस की तरह ईंधन का दहन नहीं करते। परमाणु ऊर्जा का ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन बहुत कम रहता है। पवन ऊर्जा का उत्सर्जन भी इसी निम्न स्तर के आसपास होता है; इसीलिए एटॉमिक एनर्जी को क्लीन एनर्जी आवश्यक है। परमाणु ऊर्जा के आर्थिक पक्ष पर संतुलित दृष्टिकोण भी जरूरी है। ये सच है कि परमाणु संयंत्र स्थापित करने में आरंभिक पूंजीगत व्यय बहुत अधिक होता है। अन्य जटिलताएं भी बिजली की लागत को बढ़ा सकती हैं। इसीलिए नए परमाणु संयंत्रों की बिजली हर देश में सौर या पवन ऊर्जा से सस्ती होगी, ऐसा दावा नहीं किया जा सकता। लेकिन सौर और पवन ऊर्जा की उत्पादन लागत में भी पिछले वर्षों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। अनेक स्थानों पर नई सौर परियोजनाएं प्रतिस्पर्धी दरों पर बिजली उपलब्ध कराती हैं। लेकिन सौर ऊर्जा रात में उपलब्ध नहीं होती और पवन ऊर्जा का उत्पादन मौसम पर निर्भर है। हमें चौबीसों घंटे बिजली चाहिए। परमाणु संयंत्रों का एक प्रमुख लाभ उनकी निरंतर उत्पादन-क्षमता है। वे कम भूमि पर बड़ी मात्रा में बिजली उपलब्ध करा सकते हैं और उद्योगों, शहरी क्षेत्रों व स्थिर विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता वाले तंत्रों के लिए उपयोगी हैं। फ्रांस, अमेरिका, रूस, चीन, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों ने अलग-अलग स्तरों पर परमाणु ऊर्जा को अपने सिस्टम का हिस्सा बनाया है। इन देशों के अनुभव बताते हैं कि परमाणु ऊर्जा की सफलता केवल तकनीक नहीं, बल्कि वित्तीय व्यवस्था, रेगुलेशन कैपेबिलिटीज, सार्वजनिक विश्वास और दीर्घकालीन नीति की निरंतरता पर भी निर्भर करती है। भारत के सामने चुनौती और बड़ी है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, औद्योगीकरण, शहरीकरण और डिजिटल बुनियादी ढांचे को अधिक बिजली चाहिए। सरकार ने 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। हालांकि लक्ष्य निर्धारित करना और उसे अर्जित करना अलग-अलग चुनौतियां हैं। इसके साथ ही, हमें सौर-पवन ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, विद्युत ग्रिड और ऊर्जा दक्षता में भी निवेश करना होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं,सुखवीर सिंह)



यदि एआई के समाधान गलत निकले तो सवाल किससे करेंगे

अब जब एआई खुद ही हाइपोथीसिस लिख रहा है, प्रयोगों को डिजाइन कर रहा है और उनके नतीजे भी लिख दे रहा है तो वैज्ञानिकों को भी इसके अनुरूप खुद को ढालना होगा। ज्ञान की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए यह जरूरी होता है कि उसके स्रोत भरोसेमंद हों और वह जनता के प्रति जवाबदेह भी हो। लेकिन मौजूदा एआई क्षमताओं को देखते हुए क्या अब यह भी मायने नहीं रखने वाला है कि शोध कौन कर रहा है? इस सवाल का सहज जवाब यही होगा कि तथ्य तो तथ्य है, इससे क्या फर्क पड़ता है कि इसे किसने खोजा। लेकिन ज्ञान का प्रसार इस तरह नहीं होता। हमें ज्यादातर वैज्ञानिक दावे ऐसे मिलते हैं, जिनको जांचने के तरीके हमारे पास नहीं होते। इसलिए हम दावे के बजाय उसके पीछे मौजूद व्यक्ति या संस्था की विश्वसनीयता को परखते हैं। हार्वर्ड के प्रोफेसर स्टीवन शेपिन कहते हैं कि वैज्ञानिक सत्य की स्थापना हमेशा से ही अपने साथी वैज्ञानिकों को उस पर भरोसा दिलाने की सामाजिक प्रक्रिया से जुड़ी रही है। विज्ञान में प्रतिष्ठा केवल विचारों से नहीं बनती, बल्कि संस्थानों, विभागों और प्रयोगशालाओं में निहित रहती है। इन संस्थानों की साख वहां से निकलने वाले शोधों को भी विश्वसनीयता देती है। किसी प्रतिष्ठित संस्थान को छोड़कर जाने वाला वैज्ञानिक अपने साथ उस संस्थान की साख का कुछ हिस्सा भी ले जाता है। अनुकूल परिस्थितियों में वह नए संस्थान को भी एक प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में स्थापित कर सकता है। विश्वसनीयता को हमेशा किसी न किसी ऐसे माध्यम की जरूरत रही है, जिसके जरिए वह लोगों तक पहुंचे। समय के साथ यह माध्यम बदलता रहा है और अकसर इसका विरोध भी हुआ है। विश्वसनीयता के लिए किसी एक विद्वान के बजाय प्रामाणिक संस्थानों, पीयर रिव्यू और शोध मूल्यांकन को महत्व मिलने लगा, तब भी आलोचकों ने आपत्ति जताई थी। अब जब यह स्वामित्व इंसानों से मशीनों के पास जाने की स्थिति बन रही है तो इस पर श्रेय, मौलिकता और योग्यता के संदर्भ में आपत्तियां तो जताई ही जाएंगी।अब शोध को संचालित करने वाली व्यवस्था में भी बदलाव आया है। धीरे-धीरे इस व्यवस्था में ध्यान इस बात से हटता गया है कि किसी शोध के नतीजे को कितना समझा गया है और इस पर केंद्रित होता गया है कि वह कितना उपयोगी है। मशीनों से डेटा को खुला, खोजे जाने योग्य और मशीन द्वारा पढ़े जाने योग्य बनाने के जो प्रयास किए गए थे, उनका उद्देश्य इंसानी शोधकर्ताओं के बीच सहयोग को आसान बनाना था। लेकिन इन्हीं प्रयासों ने वह आधार भी तैयार कर दिया, जिस पर अब ऑटोनॉमस रिसर्च काम कर रही हैं। पिछले साल अमेरिका के स्टार्टअप इंटोलॉजी द्वारा विकसित एआई सिस्टम 'जोची' द्वारा लिखे गए एक शोधपत्र ने एसोसिएशन फॉर कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स की वार्षिक बैठक में पीयर रिव्यू की प्रक्रिया पार कर ली। इसी तरह, सैन फ्रांसिस्को की संस्था 'फ्यूचरहाउस' के एआई सिस्टम 'रॉबिन' ने हाइपोथीसिस तैयार की, प्रयोगों को डिजाइन किया और नतीजों का विश्लेषण किया। उसने पहले ही मंजूर हो चुकी एक ऐसी दवा की पहचान की, जो अंधेपन के एक प्रमुख कारण के इलाज में उपयोगी हो सकती है। ऑनलाइन प्रकाशित होने वाली सामग्री में पहले ही आधे लेख एआई से तैयार हो रहे हैं। अब तो डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट तक यह नहीं बता पा रहे हैं कि इनमें से असली कौन-से हैं। ऐसे में क्या अब भी मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों को महत्व देने वाले लोग इस शोर-शराबे में अपनी बात दूसरों को सुना पाएंगे? मान लीजिए कि कोई एआई सिस्टम नई वैक्सीन विकसित कर देता है। आम जनता को शायद इससे फर्क नहीं पड़ेगा कि यह काम किसने किया। ठीक वैसे ही, जैसे मरीज यह नहीं पूछते कि उनके खून की जांच किस तकनीशियन ने की है। लेकिन अगर कुछ गलत हो जाता है तो वे यह जरूर जानना चाहेंगे कि इसके लिए जिम्मेदार किसे ठहराया जाए? व्यक्ति से सवाल पूछे जा सकते हैं, गलती सुधरवाई जा सकती है, उसे अपने दावे वापस लेने के लिए कहा जा सकता है, लेकिन सवाल है कि क्या किसी एआई मॉडल के साथ भी ऐसा किया जा सकेगा? मान लीजिए एआई कोई नई वैक्सीन विकसित कर देता है। लोगों को इससे फर्क नहीं पड़ेगा कि यह काम किसने किया, जैसे मरीज यह नहीं पूछते कि उनके खून की जांच किस तकनीशियन ने की। लेकिन अगर कुछ गलत हो जाता है तो जवाबदेह कौन होगा? डॉ. सामी महरुम



देश में समृद्धि धीरे-धीरे ही सही पर बढ़ी है

क्या भारत में गरीबी कम हो रही है? विश्व बैंक का तो यही मानना है। अपनी ताजा 'पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' (गरीबी एवं समानता रिपोर्ट) में इस संस्था ने बताया है कि गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले भारतीयों की संख्या घटकर 2.6फीसदी रह गई है। 2004 में 53 करोड़ भारतीय भीषण गरीबी में जीवनयापन कर रहे थे। यह देश की कुल आबादी का 46.4फीसदी था। महंगाई के असर को समायोजित करते हुए गरीबी रेखा के वही मानदंड लागू करने पर 2023 में अत्यंत गरीबी में जीवनयापन करने वाले भारतीयों की संख्या 5.3 करोड़ ही रह गई थी। इस तरह मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी- दोनों के प्रधानमंत्रित्व काल को समेटने वाले इन 20 वर्षों में लगभग 50 करोड़ भारतीय गरीबी रेखा से ऊपर उठे। जमीनी स्तर पर मिलने वाले अनुभवजन्य साक्ष्य इस आकलन की पुष्टि नहीं भी कर सकते हैं। इसके बावजूद विश्व बैंक कहता है कि अत्यंत गरीबी में आई तीव्र गिरावट और लगभग 50 करोड़ लोगों का गरीबी के एक उच्चतर आय-मानदंड से ऊपर उठना आधुनिक युग की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत को ब्रिटिश राज से एक चरमराई हुई अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी। 1947 में देश की 80फीसदी से अधिक आबादी अत्यंत गरीब थी। इसके बाद भी सुधार की प्रक्रिया धीमी रही। 1977 तक अत्यंत गरीबी की दर धीरे-धीरे घटकर 59.7फीसदी तक पहुंची। 2004 में भी यह 46.4फीसदी थी। वास्तविक सुधार 2011 के बाद शुरू हुए, जब अत्यंत गरीबी की दर घटकर 27.1फीसदी रह गई। इसके बाद गिरावट की रफ्तार तेज हो गई। 2022 तक अत्यंत गरीबी की दर घटकर 5.3फीसदी पर आ गई और 2023 में आधी होकर 2.6फीसदी रह गई। लेकिन आम भारतीयों को ऐतिहासिक गिरावट का असर महसूस क्यों नहीं होता?इसकी एक वजह यह है कि विश्व बैंक ने अत्यंत गरीबी की परिभाषा तय करने के लिए बहुत कम आय-सीमा निर्धारित की है : प्रतिदिन 3 डॉलर। यह स्पष्ट रूप से स्वीकार्य सीमा नहीं है। यदि इस आय-सीमा को बढ़ाकर 4.2 डॉलर कर दिया जाए, तो गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वालों का अनुपात बढ़कर 16.1फीसदी हो जाता है। यह आंकड़ा भारत में अत्यंत गरीबी की दर पर किए गए कई अन्य अध्ययनों के दायरे में आता है, जिनमें सुरेश तेंदुलकर समिति की रिपोर्ट भी शामिल है। यदि अब भी 16.1फीसदी या 23 करोड़ भारतीय घोर गरीबी में हैं, तो इसका अर्थ है अभी लक्ष्य हासिल नहीं हुआ। 81फीसदी परिवारों को मिल रहे कल्याणकारी लाभों और मुफ्त राशन ने खाने-पीने की चीजों की महंगाई और बेरोजगारी की दोहरी मार से निपटने में मदद जरूर की है। सच कहें तो भारत में तीन अलग-अलग देश दिखलाई देते हैं। पहला भारत आय के लिहाज से शीर्ष 10 प्रतिशत भारतीयों का है। ये करीब 15 करोड़ सम्पन्न लोग हैं और तेजी से बढ़ते उच्च-मध्यम वर्ग का हिस्सा हैं। इनके पास शेयर्स हैं, ये अकसर यात्राएं करते हैं और इनका जीवन-स्तर लैटिन अमेरिका के मध्यम-आय वाले देशों के लोगों के जीवन-स्तर के बराबर है। दूसरा भारत बीच में स्थित है। इसमें करीब 50 प्रतिशत यानी 70 करोड़ भारतीय आते हैं। इनके पास सीमित संसाधन हैं, वे भारी कर्ज लेते हैं और उन्हें सुरक्षित तथा अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियां हासिल नहीं हैं। इनके भीतर बेहतर जीवन की आकांक्षाएं हैं और ये आर्थिक सीढ़ी पर ऊपर चढ़ने की कोशिश में लगे हैं। तीसरी श्रेणी से बहुत से लोग छोटे-मोटे काम-धंधे करते हैं। इनमें एक बड़ी आबादी छोटे किसानों की भी है, जिनका जीवन एक फसल से दूसरी फसल तक किसी तरह चलता है। जब मानसून विफल हो जाता है, जैसा कि इस साल भारत के कुछ हिस्सों में हुआ है, तो उन्हें साहूकारों से भारी ब्याज दरों पर कर्ज लेना पड़ता है। ऐसे ब्याज की अदायगी की उम्मीद भी वे नहीं कर सकते। यही कारण है कि भारत में हर साल 10,000 से भी अधिक किसान आत्महत्या कर लेते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत के साथ यह दुर्भाग्य रहा है कि उसे ऐसी घटनाओं का खामियाजा भुगतना पड़ा है, जिन पर उसका कोई नियंत्रण नहीं था। कोविड महामारी ने भारत की आर्थिक विकास दर के दो वर्ष छीन लिए। ईरान युद्ध ने व्यापार को बाधित किया है। अमेरिकी बाजार से ऑर्डर मिलने बंद होने के कारण सूरत के हीरा तराशने और पॉलिश करने वाले कारीगर गरीबी की चपेट में आ गए हैं। क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी से खाने-पीने की चीजों की महंगाई बढ़ी है। एआई के चलते शुरुआती स्तर की अनेक नौकरियां अप्रासंगिक होती जा रही हैं। लेकिन अमेरिका में ट्रम्प की हार के बाद माहौल बदला है। शेयर बाजारों में तेजी है, रुपया मजबूत हुआ है, तेल की कीमतें गिर रही हैं और अगले मानसून में ला नीना के प्रभाव से अच्छी बारिश होने की उम्मीद है। भारत में गरीबी घटने को लेकर विश्व बैंक का आशावाद सही साबित हो सकता है, क्योंकि विदेशी निवेशक एक बार फिर भारत का रुख कर रहे हैं। बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ देश के इन तीनों वर्गों को अलग-अलग ढंग से और अलग-अलग समय पर मिलता रहा है। आर्थिक विकास के लाभ धीरे-धीरे निचले तबकों तक पहुंचे हैं। सही दिशा में आशावादः-भारत में गरीबी घटने को लेकर विश्व बैंक का आशावाद सही साबित हो सकता है, क्योंकि विदेशी निवेशक एक बार फिर भारत का रुख कर रहे हैं। बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ देश के तीन भिन्न आय-वर्गों को अलग-अलग ढंग से और अलग-अलग समय पर मिलता ही रहा है। आर्थिक विकास के लाभ भी धीरे-धीरे ही सही पर निचले तबकों तक पहुंचे हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं,मिन्हाज मर्चेंट)



दावा-एनवीडिया सीईओ के 2 अफेयर- महिला कर्मचारी से भी संबंध,जेन्सन को पद से हटाने की तैयारी में कंपनी, मार्केट वैल्यू रु27 लाख करोड़ घटी

न्यूयॉर्क। दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग के दूसरे अफेयर के बारे में भी पता चला है। न्यूयॉर्क



टाइम्स के मुताबिक हुआंग का कंपनी की महिला अधिकारी किम्बर्ली पॉवेल के साथ अफेयर था। किम्बर्ली सीधे जेन्सन हुआंग को रिपोर्ट करती थीं। जेन्सन इससे पहले चीनी महिला एलिस हुआंग के साथ अफेयर की बात कबूल कर चुके हैं। एलिस पर चीनी जासूस होने का शक है। इस विवाद का असर कंपनी के शेयरों पर भी पड़ा है। कंपनी का मार्केट वैल्यूएशन 27 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा घट चुका है। एनवीडिया अब जेन्सन को सीईओ पद से हटाने की तैयारी कर रही है। गुरुवार को बैठक में इसका फैसला लिया जाएगा। किम्बर्ली पॉवेल ने 2008 में एनवीडिया में डायरेक्टर के तौर पर काम शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने कंपनी में लगातार तरक्की की। अब वह हेल्थकेयर बिजनेस की वाइस प्रेसिडेंट हैं। कंपनी की प्रोफाइल के मुताबिक, शुरुआत में उनका काम मेडिकल इमेजिंग में एनवीडिया के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिप्स के इस्तेमाल को बढ़ावा देना था। एनवीडिया में आने से पहले पॉवेल एक इंजीनियर के तौर पर काम करती थीं। इसके बाद उन्होंने एक इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्टअप में प्रोडक्ट डेवलपमेंट का काम संभाला। इसी दौरान उन्होंने एनवीडिया से संपर्क किया और कंपनी के कंप्यूटिंग चिप्स के इस्तेमाल पर चर्चा की। लाइफर्स पॉडकास्ट के एक एपिसोड में पॉवेल ने बताया था कि जब एनवीडिया को हेल्थकेयर के क्षेत्र में अपनी तकनीक के इस्तेमाल की संभावनाएं समझ आईं, तो कंपनी ने उन्हें अपने साथ काम करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने इस मौके को अपने लिए 'सपना सच होने जैसा' बताया था। सीएनएन रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को इस साल मई में चीन यात्रा से पहले ही इसकी जानकारी दे दी थी। ट्रम्प को खुफिया मेमो में बताया गया था कि हुआंग के संबंध एक ऐसी महिला से हैं, जिसे अमेरिकी अधिकारी चीनी जासूस मान रहे हैं। इसके बावजूद ट्रम्प हुआंग को बीजिंग ले गए थे। उन्होंने अलास्का से राष्ट्रपति के साथ एयर फोर्स वन विमान में यात्रा भी की थी। हालांकि, वाइट हाउस ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। इस बीच, अमेरिकी सांसदों ने जनवरी में कांग्रेस के नए सत्र के बाद मामले में विस्तृत जांच के संकेत दिए हैं। जेन्सन की जगह लेने के 8 दावेदार, इनमें जय पुरी भी शामिलः-जय पुरी, वरिष्ठ सलाहकारः भारतीय मूल के जय पुरी 2009 से 24 अगस्त 2026 तक एनवीडिया में ग्लोबल सेल्स हेड रहे। रिटायरमेंट के बाद वे कंपनी में वरिष्ठ सलाहकार की भूमिका निभा रहे हैं। कंपनी के बड़े ग्राहकों और बिक्री से जुड़े काम का उन्हें लंबा अनुभव है। कोलेट क्रेस, सीएफओः सितंबर 2013 से कंपनी का वित्तीय कामकाज संभाल रही हैं। वे निवेशकों के बीच भरोसेमंद मानी जाती हैं। सीएफओ डाइव के शॉन कोल के मुताबिक, वे सीईओ पद की दावेदार हो सकती हैं। इयान बक, हाइपरस्केल कंप्यूटिंग के वीपीः 2004 से एनवीडिया से जुड़े हैं। उन्होंने कंपनी का सीयूडीए प्लेटफॉर्म तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। फिलहाल वे माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी बड़ी कंपनियों के साथ क्लाउड कंप्यूटिंग से जुड़े कारोबार को संभालते हैं। क्रिस मलाचोवस्क्की, कंपनी के सह-संस्थापकः 1993 में जेनसन हुआंग वेन साथ मिलकर एनवीडिया की स्थापना की थी। वे इंजीनियरिंग और कंपनी के कामकाज की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। फिलहाल वे एनवीडिया फेलो हैं। बिल डैली, चीफ साइंटिस्टः 2009 में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से एनवीडिया आए थे। वे कंपनी में एआई और कंप्यूटर आर्किटेक्चर से जुड़ी रिसर्च की देखरेख करते हैं। उन्हें कंप्यूटर तकनीक और रिसर्च का लंबा अनुभव है। निक पार्लर, वर्ल्डवाइड फील्ड ऑपरेशंस के ईवीपीः अगस्त 2026 में एनवीडिया से जुड़े। वे कंपनी के दुनिया भर में फैले कारोबार और ऑपरेशंस की जिम्मेदारी संभालते हैं। डेबोरा शोक्विस्ट, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स प्रमुखः 2007 से एनवीडिया में काम कर रही हैं। वे कंपनी में चिप बनाने, उनकी सप्लाई और लॉजिस्टिक्स से जुड़े काम संभालती हैं। ब्रायन कैटानजारो, एप्लाइड डीप लर्निंग रिसर्च के वीपीः एनवीडिया की एआई रिसर्च टीम से जुड़े हैं। उन्होंने एआई को तेजी से काम करने में मदद करने वाला सॉफ्टवेयर विकसित करने में अहम भूमिका निभाई। जेन्सन ने लिखा- मुझसे गलती हुई, मैं शर्मिंदा हूं:- जेन्सन हुआंग ने रविवार को एनवीडिया के सभी कर्मचारियों को एक इंटरनल मैसेज भेजा। इसमें उन्होंने स्वीकार किया कि वे अपनी पत्नी के प्रति वफादार नहीं रहे। हुआंग ने लिखाः- 'मेरे इस कदम से मेरी पत्नी और बच्चों को गहरा दुख पहुंचा है। मुझे इसका पछतावा है। मेरी जिम्मेदारी आप सभी का भरोसा बनाए रखने की थी, लेकिन मैं इसमें नाकाम रहा।' हालांकि, अपने इस संदेश में उन्होंने किसी महिला का नाम नहीं लिया। जेन्सन का तलाक हुआ तो दुनिया का सबसे महंगा होगाः-जेन्सन हुआंग और उनकी पत्नी लोरी के बीच तलाक की अटकलें तेज हो गई हैं। अगर दोनों का तलाक होता है तो लोरी को 80 बिलियन डॉलर यानी करीब 7.20 लाख करोड़ रुपए मिल सकते हैं, जो इतिहास का सबसे महंगा तलाक समझौता होगा। साथ ही लोरी दुनिया की चौथी सबसे अमीर महिला भी बन जाएंगी। जेन्सन और लोरी ने 1985 में शादी की थी और उनके दो बच्चे हैं। जेन्सन ने 8 नवंबर को एक चीनी महिला के साथ अफेयर की बात मानी थी। हालांकि, लोरी ने तलाक को लेकर अब तक कोई बयान नहीं दिया है। कानून के तहत पत्नी को आधी संपत्ति का हकः-जेन्सन और लोरी अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में रहते हैं। यहां के कानून के मुताबिक, शादी के दौरान बनी संपत्ति में पत्नी की 50फीसदी हिस्सेदारी होती है। 1993 में शुरू हुई एनवीडिया का मार्केट कैप करीब 405 लाख करोड़ रुपए है, जबकि जेन्सन की निजी संपत्ति 14.56 लाख करोड़ रुपए है। ऐसे में लोरी को करीब 7.20 लाख करोड़ रुपए मिल सकते हैं। यह 2021 में बिल गेट्स और मेलिंडा के बीच हुए 76 बिलियन डॉलर यानी करीब 7.10 लाख करोड़ रुपए के तलाक समझौते से भी ज्यादा होंगे। जेन्सन की संपत्ति 6.92 लाख करोड़ तक घटीः-एलिस-जेन्सन के संबंधों और जासूसी मामले की जांच शुरू होने के बाद से एनवीडिया के शेयर 5फीसदी तक गिर चुके हैं। जेन्सन की संपत्ति 6.92 लाख करोड़ रु. तक घट चुकी है। जेन्सन फोर्ब्स की अमीरों की सूची में दो स्थान खिसककर 10वें पर आ गए हैं। इस उथल-पुथल के बीच निवेशक 17 नवंबर को आने वाले कंपनी के तिमाही नतीजों पर नजर टिकाए हुए हैं। चीनी महिला पर जासूसी में शामिल होने का शकः- जिस महिला के साथ जेन्सन के संबंधों की बात आई है, उसका नाम एलिस हुआंग है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को शक है कि वह चीन के खुफिया विभाग के लिए काम कर रही थीं। एलिस हुआंग चीन की नागरिक हैं। वे सिंगापुर की डेटा सेंटर कंपनी 'मेगास्पीड' में सीनियर एग्जीक्यूटिव के पद पर काम कर चुकी हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि एलिस टेक और डेटा सेंटर बिजनेस में आने से पहले टीवी रिपोर्टर थीं। उनके निजी जीवन की ज्यादा डिटेल्स मौजूद नहीं हैं।

राजीव जिंदा होते तो हम नॉर्मल जिंदगी जीते,मैंने सिर्फ बच्चों और काम पर ध्यान दिया,लोगों ने मेरे बारे में कहानियां बनाईं- सोनिया गांधी

नयी दिल्ली। 'राजीव जिंदा होते तो हम नॉर्मल जिंदगी जी रहे होते। लोगों ने मेरे बारे में काफी किस्से-कहानियां बनाईं, लेकिन मैंने इन सब की जगह सिर्फ अपने बच्चों और काम पर ध्यान दिया।' नेहरू-गांधी खानदान में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बाद सोनिया पहली सदस्य हैं, जिन्होंने आत्मकथा लिखी है। नेहरू ने 1936 में 'एन ऑटोबायोग्राफी' लिखी थी और अब सोनिया ने 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' किताब लिखी है। सवालः आत्मकथा लिखने का विचार कैसे आया? जवाबः 2015 में पहली बार लगा, जब राहुल और प्रियंका ने मुझसे लिखने के लिए कहा। फिर मेरे कुछ दोस्तों ने भी यही सलाह दी। तभी से लिखना शुरू किया, नोट्स इकट्ठे किए और फिर सब कुछ जैसे याद आता गया। करीब 10 सालों की मेहनत के बाद यह किताब की शक्ल में सबके सामने आई। सवालः क्या राजीव से पहली मुलाकात पर लगा था कि देश के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से जुड़ेंगीं? जवाबः कुछ कॉमन दोस्तों के जरिए हम मिले थे। तब मैं 19 साल की थी। मैं राजीव जी के व्यक्तित्व से प्रभावित हुई। उनका नाम, उनका परिवार हमारी जिंदगी का हिस्सा नहीं बना था। शादी के बाद भी, जब वे पायलट थे, हमारा जीवन आम मध्यमवर्गीय परिवार जैसा था। सवालः आपातकाल पर राजीव की क्या राय थी? क्या परिवार में भी इस फैसले पर मतभेद थे? जवाबः दोनों बेटे मां का बहुत आदर करते थे। इसलिए मतभेद का सवाल नहीं था। इंदिरा जी जानती थीं कि राजीव जी आपातकाल लगाने के फैसले से असहमत थे। यह उनके लिए भी आसान निर्णय नहीं था। वे स्वतंत्रता संग्राम में शामिल रही थीं और लोकतंत्र में गहरी आस्था रखती थीं। उस समय पार्टी के कई वरिष्ठ और प्रभावशाली नेता मानते थे कि देश में बढ़ती अराजकता और हिंसा के बीच आपातकाल ही एकमात्र रास्ता था। कुछ विपक्षी नेताओं ने सेना और सरकारी अधिकारियों से आदेश न मानने तक का आह्वान किया था। सवालः ?संजय की मृत्यु नहीं हुई होती, तो क्या गांधी परिवार और देश की राजनीति अलग होती? जवाबः यकीनन, हां। शायद मेरे पति भी आज एक निजी जीवन जी रहे होते, शायद अभी भी जिंदा होते।सवालः ?संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मृत्यु ने परिवार को कैसे बदला? जवाबः संजय जी की मृत्यु से काफी पहले, उनकी मेनका से शादी के कुछ महीनों बाद ही परिवार का माहौल बदलने लगा था। पहले दोनों भाई काफी वक्त साथ बिताते थे। हम जहां भी जाते, तीनों साथ होते थे। शादी के बाद संजय जी परिवार से कुछ दूर हो गए। उनकी मृत्यु के बाद घर का



माहौल और बिगड़ गया। मेनका उस समय 23 साल की थीं। इतनी कम उम्र में पति को खोने का सदमा कठिन था। उनकी मां चाहती थीं कि वे सीधे राजनीति में आएं, जबकि इंदिरा जी मानती थीं कि उन्हें कुछ महीने के बेटे वरुण पर ध्यान देना चाहिए। विचारों का यही टकराव दरार की वजह बना, जिसके असर शायद आज तक हैं। सवालः? आपने कभी राजीव गांधी के राजनीति में आने का विरोध किया था? जवाबः संजय जी के निधन के बाद मैंने राजीव को राजनीति में आने से रोकने की हर संभव कोशिश की। लेकिन धीरे-धीरे स्पष्ट हो गया कि उनके लिए इससे दूर रहना संभव नहीं था। मैं उनकी दुविधा समझ सकती थी। सवालः ?आपने इंदिरा गांधी को मां और प्रधानमंत्री, दोनों रूपों में देखा। उनका कौन-सा पहलू आम भारतीयों से अनदेखा रहा? जवाबः घर और परिवार के बीच इंदिरा जी का स्वभाव बेहद सहज और स्नेहपूर्ण था। नई बहू के रूप में मुझे परिवार के रीति-रिवाज समझने में वक्त लगा, पर उन्होंने कभी परायेपन का एहसास नहीं होने दिया। वक्त मिलने पर वे बच्चों की देखभाल करतीं और उन्हें कहानियां सुनातीं। 1969 में हमारे पहले बेटे के निधन के समय वे दौरा बीच में छोड़कर अस्पताल पहुंची थीं। उन्होंने राजीव जी और मुझे गले लगाकर हिम्मत दी। संजय जी को खोने के बाद उन्होंने दृढ़ता दिखाई, पर निजी जीवन में उनका दुख गहरा था। वे एकांत में अपने कमरे में बैठकर आंसू बहाती थीं। उस दौर में मैंने एक मां के रूप में उनके दुख और असाधारण हौसले, दोनों को करीब से महसूस किया। सवालः राजीव गांधी की हत्या के बाद आपने राजनीति से दूर रहने का फैसला किया था। फिर राजनीति से जुड़ने के लिए क्यों मजबूर हुईं? जवाबः राजीव जी की हत्या के बाद मैं राजनीति से और दूर हो गई। मैं सामान्य जिंदगी जीना चाहती थी और बच्चों को सार्वजनिक जीवन की कठिनाइयों से बचाना प्राथमिकता थी। उस त्रासदी से उबरने में मुझे काफी समय लगा। लेकिन वर्षों बाद पार्टी की स्थिति देखकर महसूस हुआ कि जिस विचार और उद्देश्य के लिए मेरे परिवार ने अपनी जान तक कुर्बान की, वह कमजोर पड़ता जा रहा था। इस दुविधा से निकलने के लिए मैंने भगवद् गीता का सहारा लिया। गीता ने मुझे सिखाया कि इंसान को परिणाम की चिंता किए बिना अपना धर्म और कर्तव्य निभाना चाहिए। इस विचार ने मेरा डर कम किया, मन को स्पष्टता दी और राजनीति में आने का साहस दिया। ?सवालः शरद पवार, पीए संगमा और तारिक अनवर ने आपके विदेशी मूल के मुद्दे पर सवाल उठाए थे। क्या आपको कांग्रेस के भीतर से ज्यादा चोट पहुंची या विपक्ष के हमलों से? जवाबः जब शरद जी, संगमा जी और तारिक अनवर जी ने मेरे विदेशी मूल पर सवाल उठाए, तब तक राजीव जी से मेरी शादी को कई दशक बीत चुके थे। मैंने इसी देश में अपना घर बसाया था और उसे उजड़ते भी देखा था। लेकिन देश की जनता ने मुझे बहुत प्यार और हौसला दिया। अमेठी के गांवों में लोग मेरा मूल नहीं पूछते थे, बल्कि मुझे बहू कहकर अपने घर बुलाते और पूरे अपनत्व से स्वीकार करते थे। सवालः ?यूपीए की जीत के बाद आपने प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया। इस फैसले पर पछतावा हुआ? जवाबः चुनाव से कई महीने पहले ही मेरी राहुल और प्रियंका से इस विषय पर बात हो चुकी थी। दोनों ने पूछा था कि क्या मैं प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभालूंगी। मैंने साफ कह दिया था कि ऐसा नहीं होगा। प्रधानमंत्री बनना मेरे मन में कभी नहीं था। यह मेरा निजी फैसला था, जो मैंने घर की चहारदीवारी के भीतर अपने बच्चों से वादा करके लिया था। यह फैसला पार्टी और राजनीति का मुद्दा बनने से बहुत पहले हो चुका था। चुनाव जीतने के बाद जब गठबंधन के नेताओं ने पद स्वीकार करने का आग्रह किया, तो परिवार में दोबारा चर्चा हुई। लेकिन मेरा फैसला नहीं बदला। मैंने वही किया जो पहले तय कर चुकी थी और मुझे इस फैसले पर कभी पछतावा नहीं हुआ। सवालः ?डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने के बाद सरकार और पार्टी में आपकी भूमिका पर सवाल उठे। क्या सत्ता के दो केंद्र थे? जवाबः मैं मनमोहन सिंह जी को हमेशा ईमानदार और निष्ठावान व्यक्ति के रूप में देखती थी। सरकार की बारीकियों और जिम्मेदारियों की उन्हें गहरी समझ थी। वे पार्टी के अंदरूनी गुटों से भी दूर थे। हमारे बीच जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा था- सरकार चलाने की जिम्मेदारी उनकी थी और पार्टी का नेतृत्व मैं संभालती थी। हर हफ्ते होने वाली कोर ग्रुप की बैठक से हम तालमेल बनाए रखते थे। यूपीए सरकार के दस वर्षों में हमने हमेशा एक-दूसरे से खुलकर और ईमानदारी से संवाद किया, ताकि हमारे विरोधी हमारे बीच किसी तरह की दरार न पैदा कर सकें। सवालः ?आपको लगता है कि पिछले एक दशक में देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं और सामाजिक ताने-बाने में बुनियादी बदलाव आया है? जवाबः मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं और सामाजिक ताने-बाने के सामने कई चुनौतियां आई हैं। मीडिया, संसद और चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की स्वतंत्रता और भूमिका को लेकर लगातार बहस होती रही है। सत्ता के वेंद्रीकरण और सामाजिक ध्रुवीकरण को लेकर भी चिंताएं सामने आई हैं। इन परिस्थितियों का असर संविधान के मूल्यों और सामाजिक सौहार्द पर पड़ता है। हमारे लिए जरूरी है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, आपसी विश्वास और विविधता का सम्मान बना रहे। इस दिशा में कांग्रेस, अन्य विपक्षी दलों और देश के युवाओं की भूमिका अहम है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए संवाद और असहमति के प्रति सम्मान बेहद जरूरी है।

फोन कॉल पर ट्रम्प और नेतन्याहू एक दूसरे पर चिल्लाए,इजराइली पीएम ईरान पर दोबारा हमले करने के लिए कह रहे

तेल अवीव/वॉशिंगटन डीसी।3 जून को ट्रम्प ने पॉडकास्ट में इस बातचीत की पुष्टि की। हालांकि, उन्होंने कहा कि वे नेतन्याहू को पसंद करते हैं और दोनों के रिश्ते



अच्छे हैं। वहीं नेतन्याहू ने कहा था कि दोनों नेताओं के बीच कभी-कभी रणनीति को लेकर मतभेद होते हैं, लेकिन उनके लक्ष्य एक हैं। इस विवाद के सार्वजनिक होने से इजराइल में नेतन्याहू की राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचा था। ईरान पर हमले से नेतन्याहू को क्या फायदा हो सकता हैः- परमाणु कार्यक्रम को रोकनाः नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल न कर पाए। दोबारा हमले में परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। ईरान की सरकार पर दबाव बढ़ानाः नेतन्याहू कई बार कह चुके हैं कि उनका लक्ष्य ईरान की मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाना है। हमलों के जरिए वे ईरान की सैन्य और सरकारी व्यवस्था को कमजोर करना चाहते हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि सिर्फ हवाई हमलों से सरकार गिराना आसान नहीं है। इजराइल में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करनाः जंग के दौरान नेतन्याहू खुद को देश की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने वाले नेता के तौर पर पेश करना चाहते हैं। इसके अलावा, युद्ध का माहौल बना रहने पर विपक्षी दलों पर भी उनके साथ आने का दबाव पड़ सकता है। अमेरिका को साथ बनाए रखनाः नेतन्याहू चाहते हैं कि अमेरिका भी ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में शामिल हो। 10 नवंबर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वे ट्रम्प से लगातार हमले दोबारा शुरू करने की अपील कर रहे हैं। ईरान जंग अमेरिका को महंगी पड़ीः- अमेरिका ने ईरान के खिलाफ जंग में करीब 47.1 अरब डॉलर (लगभग 4.4 लाख करोड़ रुपए) खर्च होने का अनुमान लगाया है। यह आंकड़ा 16 अक्टूबर 2026 तक का है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने यह जानकारी अमेरिकी सांसदों को दी थी। जंग में अमेरिका का खर्च इस तरह हैः- 2.7 लाख करोड़ रुपएः ईरान के खिलाफ हमलों में इस्तेमाल की गई मिसाइलों, बमों और दूसरे हथियारों को दोबारा खरीदने के लिए। 57 हजार करोड़ रुपएः जंग में खोए लड़ाकू विमानों, ड्रोन और दूसरे सैन्य उपकरणों को बदलने के लिए। करीब 1.1 लाख करोड़ रुपएः सैनिकों की तैनाती, विमान और युद्धपोत चलाने, सामान पहुंचाने और दूसरे सैन्य अभियानों पर। जुलाई 2026 में अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जंग का खर्च करीब 3.5 लाख करोड़ रुपए बताया था। ईरान जंग का असर मिडटर्म चुनाव पर भी पड़ाः- ईरान के साथ जंग का असर अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में भी देखने को मिला। 3 नवंबर को हुए चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को संसद के दोनों सदनों में हार का सामना करना पड़ा। ट्रम्प ने मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार की वजहों में इजराइल को लेकर अमेरिकी लोगों की बढ़ती नाराजगी का भी जिक्र किया था। एसोसिएटेड प्रेस के करीब 1 लाख मतदाताओं के सर्वे के मुताबिक, करीब दो-तिहाई अमेरिकी मतदाताओं का मानना था कि ट्रम्प की नीतियों ने महंगाई बढ़ाई है। लोगों ने इसके लिए विदेशी सामान पर लगाए गए टैरिफ और फरवरी में ईरान के खिलाफ शुरू की गई जंग को भी जिम्मेदार माना। जंग के चलते पेट्रोल की कीमतें बढ़ीं, जिससे आम लोगों का खर्च बढ़ गया।

आइजनकोट का नेतन्याहू को पीएम बनने से रोकने का प्लान,संसद में पेश किए बिल
भ्रष्टाचार के आरोपी प्रधानमंत्री नहीं बन सकेंगे

तेल अवीव। अरब पार्टियां कामिनित्ज कानून खत्म करना चाहती हैं। इस कानून के तहत बिना सरकारी मंजूरी के बनाए गए घरों पर जुर्माना लगाया जा सकता है और उन्हें गिराने का आदेश दिया जा सकता है। अरब पार्टियों का कहना है कि उनके इलाकों में घर बनाने की सरकारी मंजूरी आसानी से नहीं मिलती। ऐसे में लोगों को



मजबूरी में बिना मंजूरी के घर बनाने पड़ते हैं। बाद में इसी कानून के तहत उनके घरों पर कार्रवाई होती है। इसलिए वे इस कानून को खत्म करना चाहती हैं। नेतन्याहू समर्थकों ने गृहयुद्ध छिड़ने की चेतावनी दीः-गादी आइजनकोट के सरकार बनाने की कोशिशों का नेतन्याहू समर्थक विरोध कर रहे हैं। येरुशलम में संसद के बाहर सैकड़ों लोग जुटे। इनमें नेतन्याहू के समर्थक और दक्षिणपंथी संगठन शामिल थे। प्रदर्शनकारियों का विरोध इस बात को लेकर था कि गादी अरब पार्टियों के समर्थन से सरकार बनाना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी सरकार बनी तो देश में गृहयुद्ध छिड़ सकता है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने 'हमें यहूदी राष्ट्र चाहिए' और 'आतंकवादियों के साथ सरकार मत बनाओ' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन का आयोजन दक्षिणपंथी संगठन इम तिर्त्जू ने किया था। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर दोबारा मतदान कराने की मांग भी की।

पाक डिप्टी पीएम के पोते पर गैंगरेप के आरोप तय,विदेशी महिला की सलाह पर पैसे लगाए, नुकसान हुआ तो पाकिस्तान फायदा उठाया

इस्लामाबाद। उन्हें धमकी दी गई कि अगर उन्होंने पैसे नहीं दिए तो उनकी हत्या कर दी जाएगी और उनके शरीर के अंग बेच दिए जाएंगे। पुलिस रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाओं से जबरन 19,500 डॉलर यानी करीब 17 लाख रुपए ट्रांसफर कराए गए। महिलाओं के बयानों के मुताबिक, आरोपियों ने उनसे इससे कहीं ज्यादा रकम की मांग की थी। महिलाओं ने मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराए गए बयानों में यौन और शारीरिक हिंसा के आरोप भी लगाए। मेडिकल जांच में उनके साथ रेप की पुष्टि हुई थी। कार का एक्सीडेंट हुआ तो बचकर भागीं महिलाएंः-महिलाओं के आरोपों के मुताबिक, उन्हें बाद में लाहौर एयरपोर्ट ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया। हादसे के बाद दोनों महिलाओं को मदद मांगने का मौका मिला और वे वहां से बच निकलीं। इसके बाद पुलिस ने उन्हें अपने संरक्षण में लिया। दोनों महिलाओं के बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किए गए और उनकी मेडिकल जांच कराई गई। कुछ दिनों बाद वे अपने-अपने देश लौट गईं। पुलिस ने रजा डार को दी थी क्लीन चिटः-मामले में पुलिस ने कुल 8 लोगों को आरोपी बनाया था। लेकिन 3 नवंबर को पंजाब पुलिस ने अदालत में जांच रिपोर्ट पेश की। इसमें रजा डार और उसके चार साथियों को रेप के आरोप से क्लीन चिट दे दी गई। पुलिस ने कहा कि इन पांचों के खिलाफ रेप के सबूत नहीं मिले। इसके बजाय रजा के तीन कर्मचारियों पर महिलाओं के साथ यौन हिंसा करने का आरोप लगाया गया। पुलिस ने रजा डार और उसके साथियों पर महिलाओं को अवैध रूप से बंधक बनाने और उनसे जबरन पैसे वसूलने जैसे आरोप लगाए थे। पुलिस ने महिलाओं से वसूले गए करीब 43 लाख पाकिस्तानी रुपए बरामद करने का दावा भी किया था।

पाक का अमेरिकी विमान को एंट्री देने से इनकार,इससे 9 ईरानी नागरिक लाए जा रहे थे

वॉशिंगटन डीसी।पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने शुक्रवार को अफगान नागरिकों को पाकिस्तान के रास्ते भेजने की योजना पर कहा था कि यह व्यवस्था विचाराधीन है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि सभी पक्षों की सहमति से कोई रास्ता निकल आएगा।हालांकि, मंगलवार को ईरानी नागरिकों को लेकर आए विमान को उतरने की अनुमति नहीं देने के मामले पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अमेरिका पर ईरान को शरण मांगने वालों की जानकारी देने का आरोपः-ईरानी अमेरिकन लीगल डिफेंस फंड ने इस साल गर्मियों में ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। संगठन का आरोप है कि अमेरिकी सरकार ने ईरान से शरण मांगने वाले लोगों की निजी जानकारी ईरान सरकार के साथ साझा की। इससे दर्जनों लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। इन लोगों में कुछ हाल ही में अमेरिका पहुंचे थे और वहां शरण मांगी थी। वहीं, कम से कम एक व्यक्ति कई साल से अमेरिका में रह रहा था। हालांकि, रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि ये लोग किस रास्ते से अमेरिका पहुंचे थे और कब उन्होंने शरण के लिए आवेदन किया था। संगठन के मुताबिक, शरण मांगने वालों में ईसाई धर्म अपना चुके लोग, एलजीबीटीक्यू समुदाय के सदस्य और ईरान सरकार के विरोधी शामिल हैं। इनमें से कई लोग 2022 में ईरान सरकार के खिलाफ हुए प्रदर्शनों में शामिल हुए थे। अक्टूबर में हुई सुनवाई के दौरान डिपोर्टेशन की व्यवस्था संभालने वाले आईसीई के दो अधिकारियों ने लोगों की निजी जानकारी ईरान के साथ साझा करने के आरोपों से इनकार किया था। उनका कहना था कि ईरानी अधिकारियों से बातचीत सिर्फ लोगों को वापस भेजने की व्यवस्था करने और पासपोर्ट जैसे जरूरी दस्तावेज हासिल करने के लिए की गई थी। कुछ ईरानियों ने कहा- मिसाइलों के खतरे के बावजूद लौटना बेहतरः- ईरानी बंदियों के वकील अली रहनामा ने बताया कि मंगलवार को विमान में सवार कुछ लोगों को ईरान लौटने पर परेशान किया जा सकता है। इनमें वे लोग शामिल हैं, जो ईरान सरकार के विरोधी हैं या जिन्हें वहां खतरा हो सकता है। हालांकि, रहनामा को यह नहीं पता कि विमान में बैठे किसी व्यक्ति की निजी जानकारी ईरान सरकार को दी गई थी या नहीं। रहनामा ने बताया कि उन्होंने सोमवार को हिरासत में रखे गए कुछ ईरानियों से मुलाकात की थी। इनमें से कुछ लोगों का कहना था कि मिसाइलों के हमले का खतरा होने के बावजूद ईरान लौटना बेहतर है। वे अमेरिका के डिटेंशन सेंटर में बंद नहीं रहना चाहते।

उन्होंने बताया कि विमान से भेजे जाने वाले लोगों में कुछ ऐसे थे, जो हाल ही में अमेरिका आए थे और वहां शरण मांगी थी। वहीं, कम से कम एक व्यक्ति कई साल से अमेरिका में रह रहा था। अमेरिका बोला- कुछ लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड भीः-खबर प्रकाशित होने के बाद अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने इस मामले पर बयान दिया। विभाग ने कहा कि विमान में सवार कुछ लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड था। सभी के खिलाफ अमेरिका से बाहर भेजने के अंतिम आदेश जारी हो चुके थे। विभाग ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन बड़े पैमाने पर लोगों को उनके देश वापस भेजने का अभियान चला रहा है।

इसके लिए कानून के तहत मिलने वाले सभी तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच 1979 से कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं।

अमेरिका में ईरान का कामकाज वॉशिंगटन स्थित पाकिस्तानी दूतावास के एक अलग विभाग के जरिए होता है। इसे ईरानी इंटरेस्ट सेक्शन कहा जाता है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस विभाग से ईमेल और फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वहां से कोई जवाब नहीं मिला।

मनहूस बोलकर 12 फिल्मों से निकाली गई थीं विद्या बालन,6 महीने तक आईना देखने की हिम्मत नहीं हुई

मुंबई। आज विद्या बालन बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने महिला प्रधान फिल्मों को नई पहचान दिलाई। 'कहानी', 'द डर्टी



पिक्चर' और 'तुम्हारी सुलू' में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाने वाली विद्या के लिए यह मुकाम आसान नहीं था। करियर की शुरुआत में उन्हें मनहूस कहा गया। मोहनलाल के साथ उनकी पहली मलयालम फिल्म बंद होने का दोष उन पर मढ़ दिया गया। उन्हें करीब 12 फिल्मों से निकाल दिया गया। एक निर्माता ने उनके लुक पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या वह हीरोइन जैसी दिखती हैं। इस अपमान से विद्या इतनी टूट गईं कि करीब छह महीने तक आईने में खुद को देखने की हिम्मत नहीं जुटा पाईं। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। 'परिणीता' से शानदार कमबैक किया और आगे चलकर नेशनल



अवॉर्ड भी अपने नाम किया। विद्या बालन का जन्म 1 जनवरी 1979 को मुंबई में हुआ। उनका परिवार मूल रूप से केरल के पलक्कड़ का है। उनके पिता पीआर बालन कॉर्पोरेट प्रोफेशनल रहे हैं, जबकि मां सरस्वती बालन गृहिणी हैं। उनकी बड़ी बहन प्रिया बालन हैं। विद्या का बचपन मुंबई के चेंबूर में बीता। उन्होंने सेंट एंथनी गर्ल्स हाई स्कूल से पढ़ाई की। आगे सेंट जेवियर्स कॉलेज से सोशियोलॉजी में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद मुंबई यूनिवर्सिटी से इसी विषय में मास्टर्स की डिग्री हासिल की।विद्या को बचपन से अभिनय का शौक था। वह माधुरी दीक्षित और शबाना आजमी की अदाकारी से प्रभावित थीं। आठ साल की उम्र में माधुरी की फिल्म 'तेजाब' देखने के बाद अभिनेत्री बनने की उनकी इच्छा और मजबूत हुई थी। 16 साल की उम्र में मिला टीवी पर पहला मौका:-विद्या ने 16 साल की उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। साल 1995 में उन्हें एकता कपूर के लोकप्रिय कॉमेडी शो 'हम पांच' में राधिका माथुर का किरदार मिला। चश्मा लगाने वाली शांत स्वभाव की लड़की के रूप में यह किरदार दर्शकों को पसंद आया। शो की शूटिंग और पढ़ाई एक साथ संभालना उनके लिए मुश्किल होने लगा। कॉलेज में लगातार अनुपस्थित रहने से उनकी अटेंडेंस प्रभावित हो रही थी। परिवार ने साफ कर दिया कि उन्हें अभिनय के साथ पढ़ाई भी पूरी करनी होगी। ऐसे में उन्होंने शो छोड़ दिया। इसके बाद विद्या ने विज्ञापनों में काम शुरू किया। उन्होंने लगभग 60 विज्ञापनों में अभिनय किया। इस दौरान उनकी मुलाकात निर्देशक प्रदीप सरकार से हुई।



दोनों ने विज्ञापनों के साथ म्यूजिक वीडियो में भी काम किया। विद्या यूफोरिया के गाने 'कभी आना तू मेरी गली', शुभा मुद्गल के 'अब के सावन' और पंकज उधास के म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। उन्हें अंदाजा नहीं था कि ये म्यूजिक वीडियो आगे उनकी जिंदगी बदल देंगे। मोहनलाल के साथ पहली फिल्म, फिर लगा मनहूस होने का ठप्पा:- टीवी और विज्ञापनों में काम के बाद विद्या फिल्मों में किस्मत आजमाना चाहती थीं। इसी दौरान उन्हें मलयालम फिल्म 'चक्रम' में काम मिला। फिल्म में उनके साथ साउथ के सुपरस्टार मोहनलाल नजर आने वाले थे। विद्या के लिए यह बड़े सपने के सच होने जैसा था। फिल्म की शूटिंग शुरू हुई, लेकिन प्रोडक्शन संबंधी समस्याओं के कारण बीच में ही बंद हो गई। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में मोहनलाल जैसे बड़े स्टार की फिल्म का बंद होना असामान्य माना जा रहा था। इसका दोष विद्या पर डाल दिया गया। कुछ निर्माताओं ने उन्हें अनलकी और मनहूस मान लिया।विद्या ने बाद में बताया था कि इस घटना के बाद उन्हें करीब एक दर्जन तमिल और मलयालम फिल्मों से रिप्लेस कर दिया गया। तमिल फिल्म 'रन' में उन्हें आर. माधवन के साथ काम मिला था। शूटिंग का एक शेड्यूल पूरा होने के बाद उन्हें हटा दिया गया और उनकी जगह मीरा जैस्मिन को लिया गया। मनसेल्लम' में भी पहले विद्या को लिया गया, लेकिन बाद में उनकी जगह तृषा को कास्ट किया गया। इस दौरान उन्होंने मलयालम फिल्म 'कलारी विक्रमन' में काम किया, लेकिन यह सिनेमाघरों तक नहीं पहुंच सकी। निर्माता ने पूछा- क्या यह हीरोइन जैसी दिखती है? विद्या के लिए फिल्मों से निकाले जाने से ज्यादा मुश्किल उनके लुक पर की गई अपमानजनक टिप्पणियां सहना था। इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में विद्या ने बताया था कि एक तमिल फिल्म के निर्माता ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया था। कुछ दिन बाद पता चला कि निर्माता ने उनकी कुंडली दिखाकर उन्हें अनलकी बताया था। चेन्नई में जब विद्या अपने माता-पिता के साथ उस निर्माता से मिलने पहुंचीं, तो उसने सवाल किया कि क्या उनकी बेटी हीरोइन जैसी दिखती भी है? इस टिप्पणी ने विद्या को तोड़ दिया। उन्होंने बताया था कि अपमान के बाद करीब छह महीने तक उनमें आईने में खुद को देखने की हिम्मत नहीं थी। यह दौर उनके लिए मानसिक रूप से मुश्किल था। लगातार रिजेक्शन और अपमान के कारण उन्होंने कई बार अभिनय छोड़ने के बारे में सोचा। हालांकि, परिवार के साथ और अभिनय के जुनून ने उन्हें आगे बढ़ने की ताकत दी। विद्या ने एक इंटरव्यू में बताया था कि संघर्ष के दौरान एक पत्रकार ने उन्हें किसी बड़े बैनर की फिल्म में साइन होने की फर्जी खबर छपवाने की सलाह दी थी, ताकि मनहूस होने का ठप्पा हट सके। लेकिन विद्या ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। प्रदीप सरकार बने सहारा, म्यूजिक वीडियो से खुला बॉलीवुड का रास्ता:- साउथ की फिल्मों में लगातार निराशा के बाद विद्या ने विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो पर ध्यान देना शुरू किया। निर्देशक प्रदीप सरकार उनके सबसे बड़े सहारा बने। प्रदीप सरकार को विद्या की प्रतिभा पर भरोसा था। यूफोरिया के म्यूजिक वीडियो 'कभी आना तू मेरी गली' में उनके काम से वह प्रभावित हुए थे। उन्हें लगा कि विद्या कैमरे के सामने अलग-अलग किरदारों में ढल सकती हैं। प्रदीप सरकार ने उन्हें फिल्म 'परिणीता' में लेने का फैसला किया। हालांकि, निर्माता विधु विनोद चोपड़ा शुरुआत में इस फैसले से पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे। वह किसी स्थापित अभिनेत्री को कास्ट करना चाहते थे। विद्या को अपनी प्रतिभा साबित करने के लिए कई स्क्रीन टेस्ट देने पड़े। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म के लिए 60 से ज्यादा स्क्रीन टेस्ट दिए थे। गीतकार शंतनु मोइत्रा और स्वानंद किरकिरे ने भी उनके चयन के लिए प्रदीप सरकार की कोशिशों का जिक्र किया है। 60 से ज्यादा स्क्रीन टेस्ट के बाद मिली 'परिणीता':- साल 2005 में रिलीज हुई 'परिणीता' विद्या



बालन के करियर की बड़ी शुरुआत साबित हुई। उन्होंने फिल्म में ललिता का किरदार निभाया था। सैफ अली खान और संजय दत्त भी अहम भूमिकाओं में थे। इस फिल्म के लिए विद्या को फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड मिला। उनके अभिनय की तारीफ हुई और बॉलीवुड में मजबूत अभिनेत्री के रूप में पहचान मिली। विद्या ने बाद में एक किस्सा साझा किया था। वह मुंबई में एनरिक इग्लेसियस के कॉन्सर्ट में थीं, तभी विधु विनोद चोपड़ा का फोन आया। उन्होंने विद्या से तुरंत बाहर आने को कहा। विद्या को लगा कि शायद फिर उन्हें रिजेक्ट किए जाने की खबर मिलेगी, लेकिन चोपड़ा ने फोन पर कहा- 'तुम मेरी परिणीता हो।' यह सुनकर विद्या भावुक हो गईं। कभी मनहूस कहकर फिल्मों से बाहर की गई अभिनेत्री को अब बॉलीवुड की बड़ी फिल्म में मुख्य भूमिका मिल चुकी थी। 'लगे रहो मुन्नाभाई' से 'भूल भुलैया' तक, लगातार मिली सफलता:- 'परिणीता' के बाद विद्या ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2006 में वह राजकुमार हिरानी की 'लगे रहो मुन्नाभाई' में नजर आईं। उन्होंने रेडियो जॉकी जाह्नवी का किरदार निभाया। संजय दत्त के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को पसंद आई और फिल्म बड़ी हिट



रही। साल 2007 उनके करियर के लिए अहम रहा। उन्होंने मणिरत्नम की 'गुरु', 'सलाम-ए-इश्क', 'हे बेबी' और 'भूल भुलैया' में काम किया। खासकर 'भूल भुलैया' में अवनी के किरदार और अभिनय की चर्चा हुई। 2009 में आई 'पा' में उन्होंने अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन के साथ काम किया। उन्होंने ऐसे बच्चे की मां का किरदार निभाया, जिसे प्रोजेरिया नाम की दुर्लभ बीमारी होती है। इस भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला। 'इश्किया', 'डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' ने बदली बॉलीवुड की सोच:- साल 2010 में आई 'इश्किया' विद्या के करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। उन्होंने कृष्णा नाम की विधवा महिला का किरदार निभाया। नसीरुद्दीन शाह और अरशद वारसी जैसे कलाकारों के बीच विद्या ने अभिनय से अलग पहचान बनाई। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला। 2011 में 'नो वन किल्ड जेसिका' में उन्होंने पत्रकार मीरा गैटी का किरदार निभाया। रानी मुखर्जी के साथ उनकी जोड़ी और फिल्म की कहानी को सराहना मिली। इसी साल आई 'द डर्टी पिक्चर' ने विद्या को इंडस्ट्री की दमदार अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। उन्होंने दक्षिण भारतीय अभिनेत्री सिल्क स्मिता से प्रेरित किरदार निभाया। उनके बोल्ड और बेबाक अभिनय ने खूब सुर्खियां बटोरीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और उन्हें इसके लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। साल 2012 में आई सुजॉय घोष की 'कहानी' ने उनकी सफलता को नई ऊंचाई दी। उन्होंने गर्भवती विद्या बागची का किरदार निभाया, जो लापता पति की तलाश में कोलकाता पहुंचती है। फिल्म उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्होंने दमदार अभिनय से फिल्म को यादगार बनाया। इस भूमिका के लिए उन्हें एक और फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला। 'बॉबी जासूस' (2014), 'हमारी अधूरी कहानी' (2015) और 'कहानी 2' (2016) में भी उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए। 'तुम्हारी सुलू' से वापसी, फिर ओटीटी पर भी दिखाया दम:- कुछ फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं करने के बाद विद्या ने 2017 में 'तुम्हारी सुलू' से वापसी की। उन्होंने घरेलू महिला और रेडियो जॉकी का किरदार निभाया। इस भूमिका के लिए उन्हें फिर फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला। 2019 में आई 'मिशन मंगल' में वह अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। उन्होंने वैज्ञानिक तारा शिंदे का किरदार निभाया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। विद्या ने 'शकुंतला देवी' (2020), 'शेरनी' (2021) और 'जलसा' (2022) में अभिनय की विविधता दिखाई। 'शेरनी' में वन अधिकारी की भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला। 2023 में 'नीयत' और 2024 में 'दो और दो प्यार' में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए। 'भूल भुलैया 3' में मंजुलिका के रूप में उनकी वापसी ने दर्शकों का ध्यान खींचा। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। नेशनल अवॉर्ड से पद्मश्री तक, अंधविश्वास को हुनर से दिया जवाब:- विद्या बालन को 'द डर्टी पिक्चर' के लिए 2012 में बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 2014 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। वह कई फिल्मफेयर और अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार भी जीत चुकी हैं। विद्या की कहानी सिर्फ एक अभिनेत्री की सफलता नहीं, बल्कि उस सोच का जवाब भी है, जिसमें हुनर से ज्यादा अंधविश्वास और बाहरी रूप को महत्व दिया जाता है। जिस अभिनेत्री को कभी मनहूस कहकर फिल्मों से बाहर किया गया, उसने आगे चलकर ऐसी फिल्में दीं, जिनकी कहानी उनके किरदारों के दम पर आगे बढ़ी। विद्या ने साबित किया कि सफलता के लिए खास चेहरे या किस्मत के ठप्पे की नहीं, बल्कि प्रतिभा, मेहनत और खुद पर भरोसे की जरूरत होती है।

कंगना ने सोनिया गांधी पर कसा तंज,कहा- बुक से अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारी

मुंबई। बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने सोनिया गांधी की बायोग्राफी को लेकर उन पर निशाना साधा है। कंगना ने सोनिया गांधी, राजीव गांधी, मेनका गांधी और गांधी परिवार



से जुड़े पुराने विवादों पर सवाल उठाए हैं। साथ ही उन्होंने पूछा है कि जिस विदेशी महिला ने आज तक कोई कमाई नहीं की, वो दुनिया की सबसे अमीर महिलाओं में शामिल कैसे हुईं। कंगना ने सोनिया गांधी के आने के बाद गांधी परिवार में हुईं कई मौतों को बड़ा संयोग बताया है।कंगना के सोनिया पर 4 बड़े बयान- पहला बयानः राजीव गांधी की हत्या वाले दिन साथ नहीं गई थीं सोनियाः- कंगना रनोट ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम से एक सोशल मीडिया पोस्ट रीशेयर की, जिसमें लिखा था कि जिस दिन राजीव गांधी की हत्या हुई, वह उस दिन सोनिया को साथ ले जाना चाहते थे, लेकिन वह नहीं गईं। इसके बाद कंगना ने लिखा, सोनिया गांधी की बायोग्राफी अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसी है। इसमें उन्होंने बताया है कि राजीव गांधी की हत्या वाले दिन वह उनके साथ क्यों नहीं गई थीं। उन्होंने इसकी वजह थकान और सुस्ती जैसी समस्याएं बताई थीं। अब हमें पता चल गया कि राहुल गांधी को अपनी मां से ही खुद को मुश्किल में डालने की यह कला विरासत में मिली है। दूसरा बयानः कमाई नहीं, तो सोनिया गांधी दुनिया की अमीर महिला कैसे बनीं- कंगना ने अगली पोस्ट में लिखा, बिना जिंदगी में एक पैसा कमाए, वह 1991 में दुनिया की सबसे अमीर महिला कैसे बन गईं? क्या उनके नाम पर स्विस बैंक खातों में 2 अरब डॉलर से ज्यादा की रकम जमा थी? वाह। परिवार के सभी लोगों की अचानक मौत के बाद सहानुभूति पाने वाली एक गरीब इटेलियन विधवा अरबपति बन गईं? उनकी बायोग्राफी इन सवालों का जवाब क्यों नहीं देती? तीसरा बयानः राजीव गांधी और मेनका गांधी के रिश्ते पर सवालः- कंगना ने सोशल मीडिया पर मेनका गांधी का सिमी गरेवाल को दिया हुआ इंटरव्यू री-पोस्ट किया, जिसमें मेनका ने कहा था कि उन्हें परिवार के साथ खाने के टेबल पर बैठने की इजाजत भी नहीं थी। इस पर कंगना ने लिखा, 'मेनका कहती हैं कि वह और इंदिरा गांधी, दोनों एक तीसरे व्यक्ति की वजह से पीड़ित थीं। वह तीसरा व्यक्ति कौन था? 22 साल की मेनका विधवा हो गई थीं। मेनका को परिवार की मेज पर साथ बैठने की अनुमति नहीं थी और उन्हें घर छोड़ना पड़ा था। सोनिया गांधी ने अपनी बायोग्राफी में बताया है कि क्योंकि उनके विपक्षी दलों में दोस्त थे।' 'लेकिन हर कोई जानता है कि राजीव गांधी राजनीति में आने के इच्छुक नहीं थे। उन्होंने खुले तौर पर कहा था कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के लिए मजबूर किया गया था। तो फिर मेनका को परिवार से बाहर कौन करना चाहता था?' कंगना आगे लिखती हैं कि मेनका इस बात से हैरान थीं क्योंकि परिवार के बाकी सभी लोग मरने वाले थे और उन्हें लगता था कि यह उनके परिवार से छुटकारा पाने का एकमात्र रास्ता था। चौथा बयानः सोनिया के आने के बाद कई मौतें होना संयोगः-सोनिया गांधी की बुक रिलीज होने के बाद कंगना ने लिखा था, 'फिल्म 'इमरजेंसी' के लिए मैंने भारतीय राजनीति और गांधी परिवार पर काफी रिसर्च की थी। इस दौरान एक बात मेरी समझ से बाहर रही। एक रहस्यमयी विदेशी महिला गांधी परिवार में आती हैं। इसके बाद इंदिरा गांधी की हत्या हो जाती है। फिर प्रधानमंत्री पद के संभावित दावेदार संजय गांधी और राजीव गांधी की भी हत्या हो जाती है। इन घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री पद की दावेदार के रूप में सिर्फ एक व्यक्ति बचती हैं और वह हैं सोनिया गांधी। लोगों ने इस बात पर भी ध्यान नहीं दिया कि ये कितने सारे संयोग एक साथ हुए। पहले भी गांधी परिवार पर निशाना साध चुकी हैं कंगनाः- यह पहली बार नहीं है जब कंगना ने गांधी परिवार को लेकर टिप्पणी की है। इससे पहले भी वह सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी को लेकर कई बयान दे चुकी हैं। अप्रैल 2024: राहुल गांधी को बताया था 'महत्वाकांक्षी मां का शिकार':-एक इंटरव्यू में कंगना ने राहुल गांधी को 'महत्वाकांक्षी मां का शिकार' बताया था। उनका कहना था कि सोनिया गांधी ने राहुल और प्रियंका को राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया, जबकि राहुल को अपनी पसंद का करियर चुनने की आजादी मिलनी चाहिए थी। मार्च 2024: राहुल और प्रियंका को कहा था 'नेपो किड्स':-टाइम्स नाउ समिट में कंगना ने कांग्रेस पर परिवारवाद और वंशवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। उन्होंने राहुल और प्रियंका गांधी को 'नेपो किड्स' कहा था। साथ ही कहा था कि वह कांग्रेस की वंशवादी राजनीति को पसंद नहीं करतीं। अगस्त 2024: इंदिरा गांधी को राहुल की दादी मानने से किया इनकारः-फिल्म 'इमरजेंसी' के प्रमोशन के दौरान कंगना ने कहा था कि वह इंदिरा गांधी को सिर्फ राहुल गांधी की दादी के तौर पर नहीं देखतीं। उनके मुताबिक, इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं और उनका इतिहास सभी भारतीयों से जुड़ा है।

कार्तिक आर्यन के पीआर बजट पर सिद्धार्थ ने कसा तंज,बोले- उनके पास ज्यादा पैसा, टॉक्सिक में कियारा के इंटीमेट सीन पर भी दिया रिएक्शन

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी इन दिनों करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण 9 में दिए गए बयानों से चर्चा में हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शो के रैपिड फायर राउंड में कार्तिक आर्यन के पीआर बजट का मजाक उड़ाया, वहीं उन्होंने फिल्म टॉक्सिक में पत्नी कियारा के इंटीमेट सीन पर भी बयान दिया है। साथ ही कपल ने खुलासा किया है कि फिल्म शेरशाह की शूटिंग के समय दोनों का ब्रेकअप हो गया था। कॉफी विद करण शो से सिद्धार्थ-कियारा के बयान-1. कार्तिक आर्यन के पीआर बजट पर सिद्धार्थ का तंजः शो के रैपिड फायर राउंड में करण जौहर ने सिद्धार्थ से पूछा कि ऐसी कौन-सी चीज है, जो कार्तिक आर्यन के पास है लेकिन उनके पास नहीं है? इस पर सिद्धार्थ ने तुरंत जवाब दिया, 'उनके पास बढ़िया पीआर बजट है।' उन्होंने आगे पेड पीआर के तरीकों पर भी अपनी राय रखी। उनके मुताबिक, अगर कोई अपने ही एक खाते से दूसरे खाते में एक करोड़ रुपए ट्रांसफर करके यह कहे कि उसकी संपत्ति बढ़ गई है, तो इसका कोई मतलब नहीं है। बता दें कि सिद्धार्थ से पहले एक्टर विजय वर्मा भी कार्तिक आर्यन को पीआर किंग कह चुके हैं। 2. 'टॉक्सिक' के इंटीमेट सीन पर ट्रोलिंग, सिद्धार्थ ने नहीं जताई नाराजगीः कियारा ने फिल्म 'टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में यश के साथ इंटीमेट सीन किए थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें काफी ट्रोल किया गया। कुछ यूजर्स ने सवाल उठाए कि शादीशुदा और मां बनने के बाद कियारा ने ऐसे सीन क्यों किए। इस विवाद में सिद्धार्थ को भी घसीटा गया। जब करण ने इस पर सवाल किए तो कियारा ने बताया कि सिद्धार्थ को इन सीन से कोई परेशानी नहीं थी। उन्होंने कहा, 'उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने कभी इस बारे में मुझसे बात तक नहीं की। हमने इस बारे में कभी चर्चा ही नहीं की। इससे उन्हें कोई परेशानी नहीं थी।' कियारा ने यह भी कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेसेस को दशकों से इस तरह के सवालों और आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'यह कई सालों से, दशकों से होता आ रहा है। ऐश्वर्या से लेकर कई शानदार एक्ट्रेसेस तक, सभी को इसका सामना करना पड़ा है।' एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें सोशल मीडिया पर अपनी पसंद को सही साबित करने की जरूरत महसूस नहीं हुई, क्योंकि कई लोग पहले ही इस दोहरे रवैये पर सवाल उठा रहे थे। 3. करण जौहर की वजह से गे पार्टी में गएः शो में कियारा और सिद्धार्थ ने बताया कि दोनों की मुलाकात कॉमन फ्रेंड अमृतपाल बिंद्रा की पार्टी में हुई थी। करण जौहर ने ही दोनों को इस पार्टी में पहुंचने के लिए फोर्स किया था। कियारा ने बातों-बातों में कहा कि करण की वजह से उन्होंने वह गे पार्टी गेटक्रैश की थी, यानी बिना बुलाए पार्टी में पहुंच गए थे। इस पार्टी में हुई मुलाकात के बाद सिद्धार्थ ने सोशल मीडिया पर कियारा को मैसेज कर मूवी और डिनर डेट के लिए पूछा था। साथ समय बिताते हुए दोनों करीब आए। 4. शेरशाह की शूटिंग के समय हो गया था ब्रेकअपः फिल्म 'शेरशाह' की शूटिंग के दौरान सिद्धार्थ कियारा एक-दूसरे के करीब आए, लेकिन उस समय उनके रिश्ते में उतार-चढ़ाव भी थे। कियारा ने बताया कि उनके बर्थडे से ठीक एक दिन पहले सिद्धार्थ शेरशाह के कारगिल शेड्यूल के लिए निकल रहे थे।

जब सिद्धार्थ उनसे मिलने घर के नीचे आए तो कियारा ने कहा कि या तो फिर साथ रहकर शादी करो, या इस रिश्ते को खत्म कर दो, क्योंकि तुम कभी बात करते हो कभी नहीं। जवाब में सिद्धार्थ ने कहा कि वह करियर पर फोकस करना चाहते हैं, इसके बाद कियारा ने मान लिया कि वह अब बात नहीं करेंगे। तब दोनों ने ब्रेकअप कर लिया था।

करण जौहर ने बताया कि उस दौरान उन्होंने सिद्धार्थ को काफी दुखी देखा था। हालांकि, कारगिल पहुंचने के बाद वह रोज कियारा को फोन और मैसेज करने लगे। बाद में सिद्धार्थ फिल्म 'जुग जुग जियो' की शूटिंग के दौरान कियारा के वैनिटी वैन में पहुंचे। दोनों फिर साथ आ गए और अगले महीने सिद्धार्थ ने कियारा को प्रपोज कर दिया। सिद्धार्थ और कियारा ने 7 फरवरी 2023 को राजस्थान के जैसलमेर स्थित सूर्यगढ़ पैलेस में शादी की थी। 5. कियारा की वजह से खराब हो रहा सिद्धार्थ का इंस्टाग्राम गेमः शो में सिद्धार्थ और कियारा ने एक-दूसरे की तस्वीरों और सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भी मजाक किया।

करीना ने पहना भोपाल रियासत की बेगम का पेंडेंट,स्टाइलिस्ट ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए फोटोज-कांग्रेस नेता ने भेजा लीगल नोटिस

मुंबई/भोपाल। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान की



एक इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर विवाद हो गया है। कांग्रेस नेता अब्बास हफीज ने भोपाल कोर्ट के जरिए अपने वकील जफर के माध्यम से करीना को लीगल नोटिस भेजा है। अब्बास हफीज ने बताया कि करीना ने इंस्टाग्राम पोस्ट में जो गहने पहने हैं, उनमें एक पेंडेंट और कलगी शामिल हैं। ये दोनों भोपाल रियासत और राजपरिवार की विरासत का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें करीना के कलगी या लिबास पहनने पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन उन्होंने जिस पेंडेंट को पहना है, वह करीब 400 साल पुराना है। इस पर कुरान की आयतें लिखी हुई हैं। अब्बास के मुताबिक, यह पेंडेंट भोपाल की बेगमों शाहजहां बेगम और सुल्तान जहां बेगम ने अपनी आस्था और इबादत के लिए बनवाया था। इसे फैशन या दिखावे के लिए नहीं बनाया गया था। करीना कपूर से पोस्ट हटाने और माफी मांगने की मांगः- अब्बास हफीज ने कहा कि मुस्लिम समुदाय में कुरान की आयतों का बहुत सम्मान किया जाता है। लोग बिना वजू किए इन्हें छूने से भी बचते हैं। उन्होंने कहा कि इस्लामिक धर्मगुरु भी कुरान की आयतों को गहनों के रूप में इस्तेमाल करने के खिलाफ रहे हैं। ऐसे में आस्था से जुड़ी चीज को इस तरह पहनकर दिखाना गलत है। इससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कानूनी नोटिस वेब जरिए करीना कपूर से विवादित पोस्ट हटाने, माफी मांगने और भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने की मांग की है। अब्बास हफीज ने कहा कि उन्होंने यह कदम किसी राजनीतिक दल या पद के लिए नहीं, बल्कि अपनी व्यक्तिगत और मुस्लिम समुदाय की आस्था के कारण उठाया है। अगर करीना पोस्ट नहीं हटाती हैं और माफी नहीं मांगती हैं, तो वे वकील से सलाह लेकर आगे कानूनी कार्रवाई करेंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।